संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 50
पृष्ठ 8
शुक्रवार
08 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– फेशियल हेयर ग्रोथ की.....

विचार– मदरसा शिक्षा पर.....

खेल– पिछले सीजन पांच करोड़ ....

पीएम ने सशस्त्र बलों के दिग्गजों को याद किया, कहा-

ओआरओपी का क्रियान्वयन सशस्त्र बलों के दिग्गजों के साहस व बलिदान को श्रद्धांजलि

सत्ता में आने के बाद लागू करने को दी प्राथमिकता
लाखों पेंशनभोगी व परिवारों को पहुंचा है फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वन रैंक वन पेंशन स्कीम का क्रियान्वयन सशस्त्र बलों के दिग्गजों के साहस व बलिदान को श्रद्धांजलि देने का तरीका है। बता दें कि ओआरओपी योजना आज ही के दिन 7 नवम्बर, 2015 को लागू की गई थी और इसी मौके पर पीएम ने सशस्त्र बलों के दिग्गजों को याद किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा–ओआरओपी, बीजेपी का 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले का वादा था और आज ही के दिन यह स्कीम लागू की गई थी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पहली बार सत्ता में आने के बाद, सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों की प्रमुख शिकायतों को दूर करने के मकसद से ओआरओपी योजना को लागू करने को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने आज कहा, हमारे दिग्गजों और पूर्व सैन्य कर्मियों ने देश की रक्षा के लिए अपने जीवन की आहूति दे दी और ओआरओपी को लागू करने का निर्णय अरसे से चली आ रही उनकी मांग को संबोधित करने व हमारे नायकों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में अहम कदम था। बता दें कि ओआरओपी स्कीम के अंतर्गत सशस्त्र बलों के कार्मिकों को समान पद एवं सेवा अवधि के लिए समान पेंशन दी जाती है, चाहे उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख कुछ भी हो। 7 नवंबर, 2015 को योजना लागू किए जाने के बाद 1 जुलाई, 2014 से इसके लाभ दिए जाने का निर्णय लिया गया था। ओआरओपी का तात्पर्य समान रैंक के रिटायर्ड सैनिक, जो समान सेवा अवधि के बाद रिटायर हुए हैं, उन्हें उनकी रिटायरमेंट की डेट व वर्ष पर ध्यान दिए बगैर समान पेंशन मिलेगी। गौरतलब है कि सशस्त्र बल लंबे समय से ओआरओपी की मांग कर रहे थे। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि ओआरओपी योजना से लाखों पेंशनभोगी व परिवारों को फायदा पहुंचा है। उन्होंने कहा, सबको यह जानकर बेहद प्रसन्नता होगी कि बीते एक दशक में लाखों पेंशनभोगी व पेंशन लेने वाले परिवारों इस ऐतिहासिक पहल का फायदा हुआ है। मोदी ने कहा, व्व्व हमारे सशस्त्र बलों के हित में सरकार की बचनबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम अपने सशस्त्र बलों को सशक्त करने व हमारी सेवा करने वालों के हित में हर संभव प्रयास जारी रखेंगे।

एंटी टेरर कॉफ्रेंस में शाह बोले–

मोदीजी की जीरो टॉलरेंस नीति को दुनियाभर ने स्वीकारा

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने आज गुरुवार को एंटी टेरर कॉफ्रेंस को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल हो चुके हैं. अब तक देश की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए 36 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की बाजी लगाई है. मैं उन सभी को प्रणाम करता हूं और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं इसके साथ–साथ मैं पीएम मोदी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि प्रधानमंत्री बनने के 10 साल के अंदर आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस रणनीति बनाई. बता दें, एनआईए द्वारा यह दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने आगे कहा कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के नारे को आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है. भारत के अंदर आतंकवाद से लड़ने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार हुआ है. उद्घाटन समारोह में बोलते हुए गृह मंत्री ने आतंकी खतरों के प्रति आगाह किया और इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीक की जरूरत पर बल दिया. श्आतंकवाद विरोधी सम्मेलन– 2024श के सम्मेलन में बोलते हुए शाह ने कहा कि आतंकवादी हमले और उनकी साजिश सीमाहीन और अदृश्य तरीके से हमारे खिलाफ हैं. अगर हमें इससे सटीक तरीके से निपटना है तो हमारे युवा अधिकारियों को उच्चतम तकनीक से लैस करना होगा, उन्हें प्रशिक्षित करना होगा. हम आने वाले दिनों में इसे प्रशिक्षण का अहम हिस्सा बनाएंगे। शाह ने घोषणा की कि गृह मंत्रालय आतंकवाद से निपटने के लिए अपने सक्रिय दृष्टिकोण में अगला कदम उठा रहा है ।

विज्ञापन के बाद भर्ती प्रक्रिया में नही किया जा सकता बदलाव : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि किसी पद के लिए विज्ञापन जारी होने के बाद भर्ती प्रक्रिया को बीच में नहीं बदला जा सकता। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने श्तेज प्रकाश पाठक बनाम राजस्थान उच्च न्यायालयश मामले में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि उम्मीदवारों को आश्चर्य चकित करने के लिए नियमों को नहीं बदला जा सकता। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के शुरू में अधिसूचित चयन सूची में रखे जाने के लिए पात्रता मानदंड को बीच में नहीं बदला जा सकता, जब तक कि मौजूदा नियम या विज्ञापन (जो मौजूदा नियमों के विपरीत न हो) इसकी अनुमति न दे। न्यायमूर्ति मिश्रा ने पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए यह भी कहा कि चयन सूची में रखे जाने के बाद उक्त पद के उम्मीदवार को नियुक्ति का अविभाज्य अधिकार प्राप्त नहीं होता, लेकिन सरकार या उसके तंत्र वास्तविक कारणों से रिक्तियों को नही भरने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, यदि रिक्तियां मौजूद हैं, तो सरकार या उसके तंत्र चयन सूची में विचाराधीन क्षेत्र के किसी व्यक्ति को नियुक्ति देने से मनमाने ढंग से इनकार नहीं कर सकते। इस मामले को 'तेज प्रकाश पाठक और अन्य बनाम राजस्थान उच्च न्यायालय और अन्य' (2013) के मामले में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा गया था, जिसने कि 'मंजूश्री बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और अन्य (2008)' के मामले में पिछले फैसले पर संदेह जताया था। इस मामले कहा गया था कि चयन मानदंड को बीच में नहीं बदला जा सकता है। संविधान पीठ ने जुलाई में सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शाहरुख खान को धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले से पुलिस ने फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को धमकी देने के मामले में आरोपी फैजान खान को गुरुवार को पंडरी थाना इलाके से गिरफ्तार किया। मुम्बई पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के अनुसार बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात कॉलर का कॉल आया था जिसमें धमकी देते हुए कॉलर ने कहा कि बैंड स्टैंड वाले शाहरुख खान को मार दूंगा। कॉलर ने कहा कि अगर उसे 50 लाख नहीं दिए गए तो वो उन्हें जान से मार देगा। जब कॉलर से उसका नाम पूछा गया तो जवाब मिला मेरे लिए ये मैटर नहीं करता, मेरा नाम हिंदुस्तानी है। जानकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस के तीन अफसर मोबाइल की लोकेशन ट्रैक करते हुए रायपुर पहुंचे हैं। बुधवार की रात वे रायपुर के होटल पर रुके हुए थे। तड़के उन्होंने पंडरी एरिया में मोबाइल सिम की लोकेशन देखने के बाद युवक के घर पहुंचे। फिलहाल इस मामले में पंडरी पुलिस भी थाने पहुंचकर युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक युवक को गिरफ्तार कर टीम महाराष्ट्र लेकर जा सकती है।

पाकिस्तान से यासीन मलिक की पत्नी का राहुल गांधी को पत्र, जेल में बंद पति को लेकर मांगी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। जेल में बंद जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक ने विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी को पत्र लिखकर उनसे अपने पति के लिए संसद में बहस शुरू करने का आग्रह किया, जिनके बारे में उनका दावा है कि वह जम्मू–कश्मीर में शांति ला सकते हैं। मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण पर पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के पूर्व सहायक मलिक का मानना घ्घै

कि जम्मू–कश्मीर में चल रही शांति प्रक्रिया में यासीन मलिक की भूमिका महत्वपूर्ण है और उनकी दुर्दशा पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए। यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक पाकिस्तान में ही रहती है। मलिक की पत्नि ने लिखा कि राहुल जी, यासीन मलिक जम्मू–कश्मीर में शांति के लिए एक ताकत हो सकते हैं, अगर उन्हें उचित मौका दिया जाए। उन्होंने कांग्रेस नेता से मलिक के बिगड़ते स्वास्थ्य के अपरिवर्तनीय परिणाम होने से पहले हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मेरे पति का चल रहा इलाज यातना से कम नहीं है, और मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि उन्हें न्याय दिलाने में हमारी मदद करें। गांधी को लिखे एक पत्र में, मुलिक ने अपने पति के सामने चल रही कानूनी लड़ाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से दशकों पुराने राजद्रोह के मामले में, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अब मौत की सजा की मांग की है।

बंद पड़ी जेट एयरवेज की संपत्तियों को बेचने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया एनसीएलएटी का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश को रद्द करते हुए दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के अनुसार निष्क्रिय जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश दिया। एनसीएलएटी ने पहले कॉरपोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के हिस्से के रूप में जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) को एयरलाइन के स्वामित्व के हस्तांतरण को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी करते हुए कहा कि जेकेसी संकल्प का पालन करने में विफल रहा क्योंकि वह 150 करोड़ रुपये देने में विफल रहा, जो श्रमिकों के बकाया और अन्य आवश्यक लागतों के बीच हवाई अड्डे के बकाया को चुकाने के लिए 350 करोड़ रुपये की पहली राशि थी। नवीनतम निर्णय एयरलाइन के खुद को पुनर्जीवित करने के संघर्ष के अंत का प्रतीक है। अदालत ने तथ्यों की पूरी जांच किए बिना जेकेसी के पक्ष में फैसला जारी करने के लिए एनसीएलएटी को भी फटकार लगाई। 2019 में शुरू हुआ जब जेट एयरवेज ने नकदी की कमी के बाद अपना परिचालन निलंबित कर दिया। इसके बाद, सबसे बड़े ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मुंबई में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दिवालिया कार्यवाही शुरू की। महीनों की कार्यवाही के बाद, मार्च 2020 में, एनसीएलटी ने एयरलाइन के अनुरोध के अनुसार समाधान प्रक्रिया के लिए और समय की अनुमति दी। महीनों बाद अक्टूबर 2020 में, संयुक्त अरब अमीरात स्थित उद्यमी मुरारी लाल जालान और यूके स्थित कालरॉक कैपिटल के नेतृत्व वाले एक संघ, जेकेसी को ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) द्वारा अनुमोदित किया गया था। शर्तों की पूर्ति ऋणदाताओं और कंसोर्टियम के बीच विवाद का कारण बन गई। ऋणदाता फिर से एनसीएलटी के पास पहुंचे, जिसने आपत्तियों को खारिज कर दिया और जनवरी 2023 में जेकेसी द्वारा एयरलाइन के अधिग्रहण की अनुमति दी।

डीएम अपनी उपस्थिति में भूमि का सीमांकन कराएं, तहसील का कोई कर्मचारी नहीं रहेगा मौजूद

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने प्रयागराज के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। डीएम किसी अन्य अधीनस्थ प्राधिकारी से यह कार्य नहीं कराएंगे। साथ ही हंडिया तहसील का कोई भी कर्मचारी सीमांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की अदालत ने रामकृपाल की याचिका पर दिया। तहसील हंडिया, ग्राम बड़गांव परगना मह निवासी रामकृपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर भूमिधरी गाटा संख्या–101 पर बनाए गए चक रोड को हटाने के लिए गुहार लगाई थी। याची के वकील ने दलील दी कि भूमिधरी गाटा संख्या–101 पर ग्रामसभा ने चक रोड बनाकर अतिक्रमण किया है। इस पर ग्रामसभा ने 18 जुलाई, 2024 को रिपोर्ट प्रस्तुत कर कहा कि पूर्व ग्राम प्रधान ने चक रोड का निर्माण करते समय याची की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है, जबकि गाटा संख्या–102 की भूमि चक रोड चिह्नित है। वहीं, नायब तहसीलदार, सैदाबाद, तहसील हंडिया ने शपथ पत्र दाखिल किया। जिसमें कहा कि याची की भूमि अराजी नंबर–101 पर कोई अतिक्रमण नहीं है। चक रोड गाटा संख्या–102 पर बनाया गया है। न्यायालय ने जवाब में विरोधाभास पाते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में छह सप्ताह के भीतर चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। पता लगाएं कि चक रोड गाटा संख्या 101 पर है या 102 पर। मामले की अगली सुनवाई छह दिसंबर को होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम जौनपुर को अवमानना नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि आदेश का पालन न किए जाने पर क्यों न अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए? छह जनवरी 2025 को सुनवाई की तिथि नियत की गई है। न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की अदालत ने प्रकाश चंद्र बिंद व अन्य की ओर से दाखिल किए गए अवमानना आवेदन पर यह आदेश दिया है। जौनपुर निवासी प्रकाश चंद्र बिंद व अन्य ने एससी प्रमाणपत्र जारी करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उनकी दलील थी कि वह केवट व मल्लाह हैं, जो मझवार जाति की उपजाति हैं। ऐसे में उन्हें एससी प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए डीएम को इस संबंध में तीन माह में उचित फैसला लेने का आदेश दिया था। आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने पर याची ने हाईकोर्ट में अवमानना आवेदन दाखिल किया। याची के वकील पुनीत कुमार शुक्ला ने दलील दी कि भारत के राजपत्र में मझवार जाति को अनुसूचित जाति के रूप में शामिल किया गया है। उच्च न्यायालय की ओर से जारी किए गए दिशा निर्देश व उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश का भी हवाला देते हुए याची को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी करने की प्रार्थना की। न्यायालय ने अवमानना आवेदन पर डीएम जौनपुर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।

अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य आज, कल उगते सूर्य को दिया जाएगा आखिरी अर्घ्य

प्रयागराज। संतान की प्राप्ति, बेटी के लिए सुयोग्य वर, बेटे के लिए नौकरी, परिवार में समृद्धि और सबके आरोग्य की कामना के दीये बुधवार को संगम पर सूर्योपासना के लिए बनाई गई

वेदियों पर जलाए गए। त्रिवेणी तट के अलावा गंगा–यमुना के घाटों पर वेदियां सजाकर व्रतियों ने भगवान सूर्य का आह्वान किया। दीपदान के बाद खरना कर 36 घंटे का निर्जला व्रत धारण किया गया। बृहस्पतिवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देने के लिए आस्था का जनसैलाब उमड़ेगा। संगम के अलावा गंगा, यमुना के तटों पर सूर्योपासना के लिए बुधवार की शाम व्रतियों व उनके परिजनों का तांता लगा रहा। महिलाओं ने वेदियों पर हल्दी–चंदन के टीके लगाकर षष्ठी माता की आराधना के गीत गाए। दोपहर बाद से ही घाटों पर वेदियां बनाई जाती रहीं और दीप भी जलाए जाते रहे। वेदियों की पूजा कर भगवान सूर्य का व्रतियों ने आह्वान किया। इसके बाद घरों पर पहुंचकर खीर खाकर खरना किया। खरना के साथ ही निर्जला व्रत की शुरुआत हुई । संगम पर बहू, बेटियों के साथ वेदी पूजन के लिए पहुंचीं कटरा की नंदिता तिवारी कहती हैं कि व्रत का यह उनका 19 वां वर्ष है। छठ मइया के आगे आंचल पसार कर जो भी मांगिए, वह पूरा हो जाता है। वह अपने भक्तों की अर्जी सुनती हैं। वहीं, पास में ही मुंडेरा से आईं मनीषा दुबे भी परिवार के सदस्यों के साथ वेदी बनाकर दीप जलाती रहीं। वह कहती हैं कि छठ व्रत कष्टों से मुक्ति और खुशहाली पाने के लिए किया जाता है। उन्होंने पांच साल पहले पुत्र की कामना से इस व्रत को शुरू किया था। मां ने उनकी सुन ली। तभी से वह इस व्रत को करती आ रही हैं। षष्ठी व्रत पर बाजार में गन्ने के साथ ही दउरा की खरीद के लिए बुधवार की शाम भीड़ लगी रही। बृहस्पतिवार दोपहर बाद से ही बाजे–गाजे संग व्रतियों के परिजन पूजा सामग्री से भरा दउरा या सूप सिर पर उठाकर गंगा तटों पर पहुंचेंगे। वहां वेदियों पर अखंड दीप जलाकर गन्ने के मंडप सजाए जाएंगे। नेपाल से आईं प्रथम महिला शंकराचार्य जगदगुरु स्वामी हेमानंद गिरि ने अपनी नेपाली शिष्याओं के समूह में खरना के साथ सूर्योपासना का डाला षष्ठी व्रत आरंभ किया। वह निर्जला व्रत रखकर बृहस्पतिवार की शाम राम घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य कोअर्घ्य देंगी। स्वामी हेमानंद ने बताया कि छठ मइया के व्रत के बाद ही उनका जन्म हुआ था। नेपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं संतान की कामना से डाला षष्ठी का व्रत रखकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देती हैं।

अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों के बीच मारपीट, अखाड़े के दोनों गुट आए आमने-सामने

प्रयागराज। दो धड़ों में बंटे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के बीच बृहस्पतिवार को मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निर्मोही में महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान दोनों धड़ों के संतों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के संत भूमि आवंटन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे। बताया जाता है कि इस दौरान निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से कुछ संतों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इससे मेला कार्यालय पर अफरातफरी मच गई। मौके पर जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर संतों के दो धड़ों में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। अखाड़ों और साधुओं को अपने पक्ष में करने के लिए रस्साकसी चल रही है। दूसरा धड़ा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र गिरि को अध्यक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। दूसरे धड़े ने बुधवार को शाही स्नान और पेशवाई आदि मुगलकालीन शब्दों को बदलकर कुंभ छावनी प्रवेश और कुंभ अमृत स्नान नाम करण कर दिया है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व प्रधान की मौत, सड़क किनारे मिली लाश, प्रधान पर हत्या का आरोप

प्रयागराज। घूपुर थाना क्षेत्र के गौहनिया पिंक बूथ के पास हुए सड़क हादसे में पूर्व प्रधान राजेश पटेल उर्फ खन्ना की मौत हो गई। उनकी लाश सड़क के किनारे पड़ी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को शव को कब्जे में लेने से रोक दिया। वर्तमान प्रधान पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। मनकवार गांव के पूर्व प्रधान राजेश पटेल बृहस्पतिवार को सुबह मार्निंग वॉक पर निकले थे। रहस्यमय परिस्थितियों में गौहनिया पिंक बूथ के पास सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। पुलिस से ग्रामीणों की तीखी नोकझोंक हुई और शव को कब्जे में लेने से रोक दिया गया। बाद में पुलिस ने किसी तरह से समझा बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को महाकुंभ में आमंत्रित करेगा जूना अखाड़ा, जीत की दी बधाई

प्रयागराज। अमेरिकी चुनाव में जीत पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि ट्रंप की जीत से विश्व में भारत–अमेरिका के रिश्तों को नया आयाम मिलेगा। महंत हरि गिरि ने बताया कि महाकुंभ में ट्रंप को जूना अखाड़े की ओर से आमंत्रित किया जाएगा। उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की सदस्य और किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि टीना मां ने शिष्यों के साथ छठ व्रत रखा है। बुधवार को उन्होंने भगवान सूर्य का पूजन कर खरना किया। बृहस्पतिवार की शाम को किन्नर शिष्यों के साथ डूबते सूर्य को संगम पर शाम चार बजे अर्घ्य देंगी। महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने बताया कि इस व्रत के माध्यम से भगवान सूर्य और छठी मइया से विश्व के कल्याण की कामना की जाती है। इस दौरान महंत संजनानंद गिरि, संध्या, माही नंद गिरि, राधिका, दीवानी, सनाया, रेखा, मोहिनी, अनुष्का, पलक, विशाखा, पप्पी, नगमा उपस्थित थीं। पूर्वांचल छठ पूजा समिति की ओर से संगम तट पर सूर्य आराधना के दूसरे दिन खरना में सस्वर रामायण पाठ से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर अखंड रामायण का यशराज मंडल ने पाठ शुरू किया। अखंड पाठ से पहले सूर्य देव के आदित्य हृदय का पाठ कर भव्य आरती की गई।समिति अध्यक्ष अजय राय और संरक्षक सुदामा सिंह की अगुआई में अखंड रामायण शुरू हुआ। इसमे सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रामायण का गान किया। पाठ बृहस्पतिवार को पूरा होगा। प्रसाद वितरण के बाद दोपहर दो बजे से भोजपुरी भजन संध्या आरंभ होगी । महाकुंभ को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। विहिप के शिविर में इस बार वेद एवं संत सम्मेलन होंगे। बुधवार को विहिप प्रांत कार्यालय केसर भवन में कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित हुई। विहिप के केंद्रीय महामंत्री (संगठन) मिलिंद परांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में 15 जनवरी 23 फरवरी की अवधि में सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाने प सहमति बनी। प्रांत संगठन मंत्री (पूर्वी उत्तर प्रदेश) गजेंद्र ने बैठक में बताया कि विहिप के शिविर में केंद्रीय बैठक, मार्गदर्शक मंडल की बैठक, संत सम्मेलन, वेद सम्मेलन, महिला सम्मेलन, गोरक्षा सम्मेलन एवं समरसता सम्मेलन का आयोजन होगा। प्रमुख स्नान पर्व के अवसर पर संगठन समाज के लिए भंडारे का आयोजन करेगा और शिविर चलाएगा। इन सबकी व्यवस्था के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। बैठक में प्रमुख रूप से केंद्रीय सह–महामंत्री (संगठन) विनायक राव देशपांडे, केंद्रीय संयुक्त महामंत्री कोटेश्वर , क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर जी, प्रांत अध्यक्ष कविंद्र प्रताप सिंह, राजनारायण सिंह, विनोद अग्रवाल, कमला मिश्रा, पूनम पांडे, प्रभुति कांत, रविंद्र मोहन गोयल आदि मौजूद रहे।

कमला नेहरू अस्पताल में कैंसर पर सेमिनार नौ और 10 नवंबर को, देश के जाने माने विशेषज्ञ करेंगे शिरकत

प्रयागराज। कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल में 9 और 10 नवंबर कैंसर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान राज्य और देश के तमाम कैंसर विशेषज्ञ कार्यशाला के विचार–विमर्श में प्रतिभाग करेंगे। 9 नवंबर की सुबह और 10 नवंबर के दोपहर को अस्पताल में मुंह, त्वचा और स्तन कैंसर के शुरुआती कैंसर के लिए ब्रेकीथेरेपी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। ब्रेकीथेरेपी कैंसर के उपचार की एक पद्धति है, जो शल्य चिकित्सा को नुकसान पहुंचाने से बचाते हुए उत्कृष्ट कॉस्मेटिक और कार्यात्मक परिणाम देती करती है। वहीं एएमए कन्वेंशन हॉल में विभिन्न कैंसर उपचार विधियों पर नवीनतम जानकारी प्रस्तुत की जाएगी और उस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसमें राज्य और देश से कैंसर के विशेषज्ञ विचार–विमर्श में भाग लेंगे। प्रशासन निदेशक हरिओम सिंह ने बताया कि हाल के वर्षों में जीवन शैली में बदलाव, विभिन्न रूपों में तंबाकू के उपयोग की आदतों के कारण मुंह, गले और फेफड़ों के कैंसर की घटनाएं बढ़ रही हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर मुख्य रूप से देर से शादी, बच्चों को स्तनपान न कराना, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के बढ़ते उपयोग के कारण कोलोरेक्टल कैंसर का कारण बनता है। आगामी आयोजित कार्यशाला में कैंसर उपचार क्षेत्र के विशेषज्ञ निदान, उपचार और उपचार में नई तकनीकों के बारे में जानकारी देंगे।

ट्रेनों में कम नहीं हो रही भीड़, लंबी दूरी की ट्रेनों में ज्यादा मारामारी

प्रयागराज। दिवाली, गोवर्धन और भैया दूज मनाने के बाद ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ कम नहीं हो रही है। अगले एक सप्ताह तक प्रयागराज से विभिन्न स्थानों के लिए जाने वाली सभी महत्वपूर्ण ट्रेनों

में लंबी प्रतीक्षा सूची है। यह हाल तब है कि जब रेलवे इस बार रिकॉर्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। रामबाग के प्रत्युष गुप्ता का कहना है कि व्यवसाय की दृष्टि से उन्हें हर माह दिल्ली जाना होता है। दस नवंबर से पहले वहां पहुंचना है लेकिन किसी भी ट्रेन में कंफर्म सीट नहीं है। इसी तरह प्राइवेट कंपनी में कार्यरत लाउदर रोड के अमित श्रीवास्तव की मुंबई में 11 नवंबर को बैठक है। उनका कहना है कि मुंबई की किसी भी ट्रेन में कंफर्म बर्थ नहीं है। समझ में नहीं आ रहा कि कैसे जाएं। वहीं, बुधवार को भी प्रयागराज, प्रयागराज–बीकानेर एक्सप्रेस में यात्रियों को जनरल कोच में चढ़ाने के लिए प्लेटफॉर्म पर फिर रस्सी बांधी गई। इसके बाद यात्रियों को कतार में खड़ा कर सबको एक–एक करके चढ़ाया गया। नैनी के बृजेश पाठक ने बताया कि दो माह पहले हमसफर के एसी थ्री में प्रतीक्षा सूची का टिकट लिया, लेकिन अब तक टिकट कंफर्म नहीं हुआ। अब यूपी रोडवेज की बस से दिल्ली जा रहे हैं। इस बीच प्रयागराज, हमसफर, ब्रह्मपुत्र, पुरुषोत्तम, शिवगंगा और महाबोधि एक्सप्रेस में भी लंबी प्रतीक्षा सूची रही। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि इस बार काफी स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। भारतीय रेलवे में एक अक्तूबर से पांच नवंबर के दौरान स्पेशल ट्रेनों के जरिए बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड में लगभग 7.5 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। एनसीआर से भी काफी संख्या में यात्रियों ने सफर किया। छठ पर्व के बाद वापसी करने वाले लोगों की सहूलियत के लिए रेलवे ने मुंबई और नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलाए जाने का एलान किया है। दानापुर से लोकमान्य तिलक के लिए स्पेशल ट्रेन वाया प्रयागराज छिवकी एवं पटना से नई दिल्ली के लिए स्पेशल वाया प्रयागराज जंक्शन संचालित होगी। इसकी समय सारिणी उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जारी कर दी है। दानापुर से लोकमान्य तिलक के लिए 01102 की रवानगी शुक्रवार आठ नवंबर की रात 9.30 बजे होगी।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए बड़े जिलों में होगी पीसीएस परीक्षा, 41 जनपदों में बनाए गए केंद्र

प्रयागराज। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 सात एवं आठ दिसंबर को प्रदेश के 41 जिलों में होगी। उत्तर प्रदेश

लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने बड़े और सुविधाओं के लिहाज से अग्रणी जिलों में ही केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। आयोग ने पहले एक ही दिन में परीक्षा कराने के लिए केंद्र निर्धारण पर काम शुरू किया था, हालांकि शासन की ओर से केंद्र निर्धारण की नीति को सख्त करने और निजी स्कूल–कॉलेजों को केंद्र बनाने पर रोक लगाने से आयोग को एक दिन की परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल सके। आयोग को 5,76,154 अभ्यर्थियों की प्रारंभिक परीक्षा कराने के लिए 1,758 केंद्रों की आवश्यकता थी और इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर उन केंद्रों की सूची मांगी गई थी, जो 19 जून 2024 को जारी शासनादेश के अनुसार परीक्षा केंद्र के मानक को पूरा कर रहे थे। इस आधार पर आयोग को सभी जिलों में केवल 978 केंद्र ही मिल सके। ऐसे में आयोग को परीक्षा दो दिन कराने का निर्णय लेना पड़ा। आयोग के सूत्रों का कहना है कि दो दिन परीक्षा कराने से अभ्यर्थी अब आधी–आधी संख्या में बंट जाएंगे। यानी आयोग को एक दिन में 2,88,077 अभ्यर्थियों की परीक्षा ही करानी होगी। ऐसे में उन जिलों को केंद्र बनाने में तरजीह दी गई है, जो आवागमन के लिहाज से अभ्यर्थियों के लिए सुविधाजनक हों और उन जिलों में सरकारी स्कूल–कॉलेज अधिक संख्या में हों। इस हिसाब से आयोग ने परीक्षा कराने के लिए 41 जिलों का चयन किया है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिहाज से 41 जिलों में परीक्षा का आयोजन आयोग और प्रशासनिक मशीनरी के लिए भी सुविधाजनक होगा। इस जिलों में प्रश्नपत्रों की सुरक्षा अब ज्यादा मुस्तैदी से की जा सकेगी। अगर सभी 75 जिलों में परीक्षा होती तो प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के दायरे को बढ़ाना पड़ता। हालांकि, आयोग और प्रशासनिक तंत्र के अफसरों को अब परीक्षा कराने के लिए दो दिनों के हिसाब से व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

महाकुंभ में 370 दलित बनेंगे महंत-पीठाधीश्वर, होगा पट्टाभिषेक, मिलेगी पदवी

प्रयागराज। महाकुंभ में जूना अखाड़े में 370 दलित महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत और पीठाधीश्वर बनाए जाएंगे। इनकी सूची तैयार कर ली गई है। संगम की रेती पर अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे महाकुंभ में इन दलित संतों का पट्टाभिषेक होगा और फिर सनातन धर्म के प्रचार के लिए जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। सनातन धर्म–संस्कृति के संरक्षण और प्रचार के लिए जूना अखाड़ा वंचित–कमजोर वर्ग के संतों को महाकुंभ में एकजुट करने के साथ ही उन्हें बड़े पदों पर आसीन कराएगा। अखाड़ा परिषद के महामंत्री और जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि के नेतृत्व में इसकी जिम्मेदारी जूनागढ़ के जगद्गुरु गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरि को सौंपी गई है। महेंद्रानंद ने अब तक अलग–अलग वर्ग के 907 लोगों को संन्यास दीक्षा दिलाई है। इसमें 370 संन्यासी दलित समाज के हैं। इन सभी को सनातन धर्म की शुचिता–शुद्धता और आचार के बारे में प्रशिक्षित भी किया गया है। कर्मकांड की भी उन्हें जानकारी दी गई है। स्वामी महेंद्रानंद खुद दलित समाज से हैं। वह बताते हैं कि सनातन धर्म को संरक्षित करने के लिए देश ही नहीं दुनिया भर से वंचितों को जोड़ा जा रहा है। ऐसे 907 संतों में 370 दलित समाज से हैं। यह सभी दलित संत महाकुंभ में आएंगे। पट्टाभिषेक के बाद इनको महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, थानापति सहित अन्य पदों पर आसीन कराया जाएगा। यमुना तट स्थित मौजगिरि मंदिर परिसर में चार माह पूर्व दलित संत कैलाशानंद को महामंडलेश्वर बनाया गया था। महेंद्रानंद गिरि बताते हैं कि इस दौर में कोई भी मजहब या पंथ हो, सभी के निशाने पर सनातन को मानने वाले लोग हैं। ऐसे में सनातनियों को जागरूक करने और आने वाली पीढ़ियों को उसकी प्राचीनता और उसके महत्व से परिचित कराया जाना चाहिए। गुजरात के जूनागढ़ में भगवान गिरिनार की परिक्रमा के साथ चार दिवसीय समागम 12 नवंबर से शुरू होगा। यह समागम 16 नवंबर तक चलेगा। इस परिक्रमा में देश से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

डॉक्टर कार्तिकेय मर्डर केस की विवेचना एसआईटी के हवाले, तीन सदस्यीय टीम गठित की गई

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर कार्तिकेय श्रीवास्तव(27) की हत्या के केस की विवेचना अब स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम(एसआईटी) करेगी। इसके लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है। इसमें दो थाना प्रभारी व एक चौकी प्रभारी को शामिल किया गया है। विवेचना का पर्यवेक्षण एसीपी सिविल लाइंस करेंगे। मूल रूप से हरिद्वार के कोटद्वार जिला के रहने वाले डॉ. कार्तिकेय मेडिकल कॉलेज में जूनियर रेजीडेंट थे। 28 सितंबर की रात नौ बजे एसआरएन अस्पताल की स्टाफ पार्किंग में अपनी कार के भीतर संदिग्ध हाल में मृत मिले थे। पुलिस ने इसे प्रथमदृष्टया खुदकुशी का मामला बताया लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने से दम घुटने की बात सामने आई।तीसरे दिन बहन अंजलि श्रीवास्तव ने शक के आधार पर मेडिकल कॉलेज के ही एसोसिएट प्रोफेसर सचिन यादव, जूनियर रेजीडेंट शिवम गुप्ता व अनामिका पर हत्या का केस दर्ज कराया था। तब से लेकर एक महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है लेकिन अब तक सच्चाई सामने नहीं आ सकी है। उधर परिजनों की ओर से आला अफसरों से मुलाकात कर विवेचना निष्पक्ष तरीके से कराए जाने की मांग लगातार की जा रही थी। इसी को देखते हुए पुलिस अफसरों ने मुकदमे की विवेचना एसआईटी से कराने का निर्णय लिया। साथ ही टीम भी गठित कर दी। अब तक इस मामले की विवेचना कोतवाली थाना प्रभारी रोहित तिवारी कर रहे थे। सूत्रों का कहना है कि एसआईटी के गठन के बाद विवेचना ट्रांसफर करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जल्द ही एसआईटी को एफआईआर की कॉपी के साथ ही अब तक कि विवेचना से जुटाए गए साक्ष्य आदि सौंपे जाएंगे। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि परिजनों की मांग पर विवेचना एसआईटी से कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

मंडलायुक्तने छठ पर्व पर दुकानदारों से दान में मांगे पॉलीथिन बैग

कहा- प्रयागराज में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करें, गंगा-यमुना को मां मानते हैं तो इसमें न बहाएं

संगम तट पर जिलाधिकारी ने स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज बनाने की दिलाई शपथ

हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत, रंगोली और नुक्कड़ नाटक से दिया गया स्वच्छता का सन्देश

प्रयागराज। मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने कहा कि प्रयागराज में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह से बंद करें। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का सन्देश है कि प्रयागराज को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाना है। अगर आप गंगा–यमुना को मां मानते हैं तो इसमें न बहाएं। इससे पहले उन्होंने दुकानदारों से सिंगल यूज प्लास्टिक (पलिथिन बैग) दान में मांगे। मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत गुरुवार को संगम स्थित छठ घाट पर लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने दुकानदारों से दान में मांगे पॉलीथिन बैग मांगे। साथ ही छठ पूजा समिति को भी पॉलीथिन का इस्तेमाल नहीं करने को कहा। प्रयागराज नगर निगम कि ओर से हुए प्रयागराज में श्छठ पर स्वच्छता की छटाश कार्यक्रम के इस आयोजन में मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ एक वृहद अभियान संचालित किया जाए, जिससे पूरे शहर को इससे मुक्त किया जा सके। साथ ही मेले में आए सभी श्रद्धालुओं, पंडालों, अखाड़ों और दुकानदारों से भी महाकुंभ को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने की अपील की। जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मंदार द्वारा वहां उपस्थित श्रद्धालुओं को स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज बनाने की शपथ दिलवाई गई। फिर मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मंदार, नगर आयुक्त श्री चंद्र मोहन गर्ग, अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव, जोनल अधिकारी श्री संजय ममगाई ने शपथ बैनर पर हस्ताक्षर कर प्रयागराज और महाकुम्भ को स्वच्छ और प्लस्टिक मुक्त बनाने के लिए सिग्नेचर कैम्पेन की शुरुआत की। इससे पहले कार्यक्रम कि शुरुआत शुरुआत नुक्कड़ नाटक से हुई। इसमें एक प्लास्टिक रूपी राक्षस को दिखाया गय। सन्देश दिया गया कि यदि हम प्लास्टिक के विकल्प के बारे में नहीं सोचेंगे, उसे खत्म करने के बारे में नहीं सोचेंगे तो यह राक्षस एक दिन हम सबको खत्म कर देगा। वहीँ श्रद्धालुओं और आमजन के सहयोग से रंगोली बनाकर स्वच्छता का सन्देश दिया गया। वहीँ जिलाधिकारी ने घाटों का निरिक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने घाटों को स्वच्छ और साफ बनाये रखने के निर्देश दि। नगर आयुक्त ने शहर को स्वच्छ और प्लस्टिक मुक्त बनाने के लिए शुरू कि जाने वाली मुहीम और चल रहे प्रयासों की जानकारी दी। इसके बाद शाम को बलुआघाट पर आये हुए श्रद्धालुओं के बीच स्वच्छता और प्लस्टिक मुक्त अभियान के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया गय। अब 8 नवंबर को सभी घाटों पर स्वच्छता अभियान के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दिन घाटों की सफाई के लिए नगर निगम के कर्मचारी और स्थानीय स्वयंसेवी संगठन मिलकर काम करेंगे। यह स्वच्छता अभियान घाटों के आसपास के क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने पर केंद्रित होगा, जिसमें कचरे को एकत्र करके उसका निपटान किया जाएगा। इस दौरान घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं को गंगा की स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा।

स्वच्छता की शपथ–––

मैं, संगम शहर को स्वच्छ और पॉलीथीन मुक्त बनाने की शपथ लेता हूं। मैं पॉलीथीन का उपयोग नहीं करूँगा और इसके खिलाफ जागरुकता फैलाऊँगा। मैं नगर निगम प्रयागराज की इस मुहीम में सहयोग कर, शहर को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान दूँगा।प्रयागराज नगर निगम का उद्देश्य है कि गंगा नदी की पवित्रता को बनाए रखते हुए शहर को एक स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण प्रदान किया जाए। छठ पूजा के अवसर पर किए जा रहे इस जागरूकता अभियान में प्रशासन की श्रद्धालुओं और स्थानीय जनता से अपील है कि वे इस मुहिम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें और गंगा में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें। इस अभियान की सफलता से न केवल गंगा की स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लोगों में नदी की पवित्रता को बनाए रखने के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। हम सब का उद्देश्य प्रयागराज को सुन्दर और स्वच्छ बनाना है।

अनिल कुमार श्रीवास्तव बहोरिकपुरी को मिला 'धारा काव्य सुरभि' सम्मान।

फाफामऊ ।प्रयागराज। सोरांव तहसील के बहोरिकपुरी गांव निवासी कवि अनिल कुमार श्रीवास्तव, बहोरिकपुरी को ध ाारा पब्लिकेशन इन्डिया धमतरी छत्तीसगढ द्वारा श्श धारा काव्य सुरभि अलंकरण श्श सम्मान से सम्मानित किया गया ।यह सम्मान उनको राष्ट्रीय साझा काव्य संग्रह श्श्सहर्ष तुम स्वीकार करोश्श में उनके जीवन परिचय के साथ दो कवितायें छपने पर दिया गया।इसके लिये एम के सिंह, मयंक कुमार मुकेश श्रीवास्तव, कवि केशव सक्सेना तथा अनेक साहित्यकारों तथा क्षेत्रीय लोगो द्वारा उनको वधाई दी गयी।

अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। हाईड्रा से हुई टक्कर में बाइक सवार की मौत को लेकर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पुरवारा गांव की अनीता देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बुध वार की शाम करीब साढ़े छः बजे उसके पति रामकेश सरोज बाइक से घर आ रहे थे। जलेसरगंज के पास हाईड्रा ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे पीड़िता के पति रामकेश की मौत हो गयी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है।

अनियंत्रित बाइक की टक्कर से तीन घायल, रेफर

लालगंज, प्रतापगढ़। अनियंत्रित बाइक की टक्कर से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। लालगंज कोतवाली के सराय संग्राम सिंह निवासी पचपन वर्षीय उपदेश गौतम अपने पुत्र पचीस वर्षीय नोखेलाल गौतम के साथ बाइक से घर से अपने खेत के लिए जा रहे थे। इसी बीच उनकी बाइक अनियंत्रित होकर रामपुर बावली के समीप नहर की पुलिया से टकरा गयी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। वहीं इसी दौरान उध ार से पैदल बाजार जा रहे पूरे चोप सिंह रामपुर बावली निवासी पचास वर्षीय सुनील धुरिया पुत्र अनंतलाल धुरिया भी अनियंत्रित बाइक की चपेट में आने से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने तीनों घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर भेजवाया। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दो घरों में हुई चोरी का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। दो घरों में हुई चोरी की घटना को लेकर लीलापुर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर निवासी विनायक पाण्डेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तीन नवंबर की रात अज्ञात चोरों ने उसके घर में घुसकर करीब बीस हजार रूपये की नकदी व लाखों के जेवरात चुरा ले गये। वहीं धामापुर गांव के प्रवेश कुमार शुक्ल ने भी पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि दो नवंबर की रात अज्ञात चोर उसके घर से लाखों के जेवरात व कीमती सामान उठा ले गये। प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर चोरी की दोनों घटनाओं पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की जयन्ती

लालगंज, प्रतापगढ़। सर्वोदय सदभावना संस्थान द्वारा गुरूवार को यहां तहसील सभागार में सदभावना सभा समारोहपूर्वक आयोजित हुआ। जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, गांधीवादी विचारक आचार्य विनोबाभावे के शिष्य तथा अधिवक्ता रहे स्व0 पं. सूर्यबली पाण्डेय का 103वाँ जन्मदिवस सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि अधिवक्ता रामसेवक त्रिपाठी ने अतिथियों के साथ स्वर्गीय पाण्डेय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य अतिथि रामसेवक त्रिपाठी ने कहा कि देश को आजादी दिलाने के लिए हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने कुर्बानियां दी हैं। उन्होनें कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के मन में स्वयं के लिए कुछ प्राप्त करने की कभी इच्छा जागृत नही हुई। उनकी सदैव देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने की ही लालसा रही। उन्होंने कहा कि स्व. सूर्यबली पाण्डेय दयालुता व करूणा के प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने एक संत के रूप में जीवन जीते हुए ईमानदारी व कर्मठता से अधिवक्ता धर्म भी निभाया। वे सर्वोदयी विचाराधारा से जुड़कर भूदान आंदोलन में आचार्य विनोबा के साथ प्रतापगढ़ से गौरा व शाहगंज तक पैदल यात्रा भी किया था। वह मीसाबंदी में जेल भी गये। कार्यक्रम के आयोजक ओमप्रकाश पाण्डेय अनिरूद्धरामानुजदास ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त अधि वक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र ने किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का सम्मान भी किया गया। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विभाकरनाथ शुक्ल, उपाध्यक्ष बालेन्द्र तिवारी, राममोहन सिंह, राधारमण शुक्ल, टीपी यादव, देवी प्रसाद मिश्र आदि रहे।

दुर्घटना में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान हुई मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। मार्ग दुर्घटना में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली के भेभौंरा निवासी कमलापति शुक्ल 45 पुत्र राधाकांत शुक्ल बुधवार शाम करीब सात बजे घर से पैदल घरेलू सामान की खरीददारी करने वर्मा नगर चौराहे की ओर जा रहे थे। रास्ते में सड़क पर टहल रहे सांड़ ने अचानक हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी होने पर परिवार के लोग भागकर वहां पहुंचे और घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर ले आये। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी सुधार न होने पर परिवार के लोग घायल को इलाज के लिए स्वरूपरानी अस्पताल प्रयागराज ले गये। यहां इलाज के दौरान घायल कमलापति की गुरूवार सुबह मौत हो गयी। बिना पीएम कराये परिजन शव लेकर घर आ गये। इसके बाद परिजनों ने श्रृंगवेरपुर में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक के एक छः वर्षीय पुत्र है। वह घर पर रहकर खेतीबारी का काम करता था। पत्नी पिंकी देवी समेत परिवार के लोगों का रो–रो कर बुराहाल है। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सपा कार्यालय के सामने टावर पर चढ़ा संविदा कर्मचारी, अखिलेश बोले, ये है जनता दरबार की सच्चाई

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सपा कार्यालय के सामने संविदा कर्मचारी पेट्रोल लेकर टावर पर चढ़ गया। बार–बार जान देने की धमकी देने लगा। पत्नी–बच्चे नीचे खड़े थे। पुलिसकर्मी उसे समझाने की कोशिश में लग गए, लेकिन कर्मचारी जिद पर अड़ा रहा। इसके बाद फायर ब्रिगेड की हाइड्रोलिक लिफ्ट बुलाई गई। एसीपी हजरतगंज कर्मचारी के बेटे के साथ लिफ्ट से ऊपर गए। उसने किसी तरह से समझाया। इसके बाद उसे नीचे उतारा गया। इस घटना पर अखिलेश यादव ने तंज कसा। कहा ये है मुख्यमंत्री के तथाकथित दरबार की सच्चाई है। जहां कोई सुनवाई नहीं होती। कर्मचारी राजू सैनी अलीगढ़ का रहने वाला है। वह परिवार के साथ जनता दरबार में शिकायत करने आया था। पत्नी से पुलिस को शिकायत पत्र मिला। इसमें लिखा है– परिवहन विभाग के अधिकारी भ्रष्टाचार करते हैं। प्रताड़ित करते हैं। दो बार कर्मचारी से मारपीट भी की गई। वहीं, पत्नी का कहना है कि अफसर पति से जर्जर बस चलवाते हैं, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। अफसर जबरन खराब गाड़ी चलाने और नौकरी ने निकालने की धमकी देते हैं। डीजल चोरी का आरोप लगाकर सैलरी से रुपए की कटौती करते हैं। सैलरी कम मिलने के कारण बच्चे की पढ़ाई–लिखाई नहीं हो पाती। उनको जरूरत की सुविधा तक नहीं दे पाते हैं। कई ड्राइवर–कंडक्टर सुसाइड भी कर चुके हैं। 5 साल में प्लैट से 10–15 बार शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस घटना पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा– ये है उप्र में मुख्यमंत्री के तथाकथित दरबार की सच्चाई। जहां नहीं होती कोई सुनवाई। इसी से हताश होकर एक फरियादी टॉवर पर चढ़ गया। हम उस फरियादी से आग्रह करते हैं कि अपना जीवन खतरे में न डालें। क्योंकि जिनके हृदय में न दया है, न करूणा, न ही प्रेम उनके सामने गुहारने–पुकारने से क्या फायदा? आशा है शासन–प्रशासन उस व्यक्ति के साथ कोई अवांछित व्यवहार नहीं करेगा। उसकी समस्या का समाधान करेगा।

बड़ा इमामबाड़ा में आपत्तिजनक रील बनाई तो होगी कार्रवाई, सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने की थी शिकायत

लखनऊ, एजेंसी। बड़ा इमामबाड़ा में आपत्तिजनक रील या वीडियो बनाने पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में मंडलायुक्त रोशन जैकब ने पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को पत्र लिखकर रील आदि बनाने पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उप्र शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने मंडलायुक्त को एक पत्र भेजा था। इसमें बताया गया था कि बड़ा इमामबाड़ा एक पवित्र स्थल है। यहां पर तमाम लोग रोजाना आपत्तिजनक रील व वीडियो बनाकर वायरल करते हैं। इससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंचती है। साथ ही सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं। जैदी ने लिखा था कि इमामबाड़ा आस्था का प्रतीक है। ऐसी चीजें पूरी तरह से प्रतिबंधित होनी चाहिए। मंडलायुक्त ने इसी पत्र का संज्ञान लेकर निर्देश जारी किए हैं। राजधानी में 92 स्थानों पर छठ पूजा होगी। पुलिस आयुक्त ने बुधवार को तैयारियों का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए। पूजा स्थल पर लाइटिंग, बैरिकेडिंग व अन्य इंतजाम की समीक्षा भी की। पुलिस आयुक्त ने बताया कि छह पूजा स्थलों पर गोताखोरों के साथ ही मोटर बोट तैनात की जाएंगी।

'संकट मोंचन धाम पर धूम धाम से मनाया जायेगा श्री हनुमान जन्मोंसव महायज्ञ।'

'संकट मोंचन धाम में दो दिवसीय संकटहारी महायज्ञ एवं संगीतमय हरि संकीर्तन से गुजेगा हनुमान नगरी।'

'ग्यारह सौ एक दीपों से जगमगाएंगा मिश्रदयालपुर का प्रसिद्व विख्यात सिद्व प्राचीन हनुम

प्रतापगढ़ सजिले के कुण्डा तहसील क्षेंत्र के थाना हथिगवां अन्तर्गत ग्राम मिश्रदयालपुर हनुमान नगर गांव स्थित तपोंभूमि सिद्ध संकट मोंचन धाम प्राचीन हनुमान मन्दिर पर विश्व कल्याणार्थ अमन –चौन सुख शान्ति मंगलमय सबकी रक्षा के लिए पचास वर्ष पूर्व से निरन्तर हनुमान जी धाम के पुजारी तपस्वी महात्मा बालयोगी जी महराज जी के नेतृत्व पर निरूस्वार्थ भाव से चल रहा है। स्वामी जी कठिन हनुमत उपासना में लीन होकर हर सुख दुःख को सहन करते हुए जन कल्याण कर रहे है। प्रत्येक मंगलवार को भी हनुमान मन्दिर पर विश्व कल्याण के लिए अद्भुत पूजा दर्शन हवन सत्संग समागम् जारी है। वही बतादे कि हनुमान मन्दिर पर विश्व कल्याणार्थ सबकी रक्षा के लिए बिगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी संकटहारी श्री हनुमान जन्मोंत्सव महायज्ञ कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी दीपावली के दो दिन पहले से संकट मोंचन धाम हनुमान नगर मिश्रदयाल पुर प्राचीन हनुमान मन्दिर पर अंखड महामंत्र जाप उत्सव शुरू होगा और २६ अक्टूबर २०२४ मंगलवार को प्रातःकाल से वैदिक मंत्रोंच्चारण के उपरान्त जाप अंखड २४ घण्टा सामूहिक सीताराम हरि कीर्तन होगा। और ३० अक्टूबर २०२४ बुधवार को १० बजे दिन में हनुमान जी महाराज के दिब्य दरबार में दुखियों की अरजी लगेगी। हनुमान जी महाराज की सात्विक विशेष भव्य पूजा महादर्शन हवन पूजन सत्संग समागम् प्रवचन कथा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ सुन्दर काण्ड पाठ हनुमान महिमा पाठ ११०१ दीपदान महाआरती भण्डारा है। संकटहारी महायज्ञ में दर्शन पूजन में शामिल होने मात्र से श्रृद्धालुओ का हर संकट कष्ट ग्रह रोग व्याधि बाधा का निवारण भूत– प्रेत दानव से छुटकारा मिलता है। मनोंकामना की पूर्ति होती है। बताते चले कि इस हनुमत दरबार पर श्रृद्धा विश्वास से किया गया पूजा अकारथ नही जाती यहाँ पर रोते लोग हँसते लौटते है। श्रृद्धालुओं के जीवन में प्रत्यक्ष चमत्कार दिखाई पडता है। हनुमान जी के दर्शन से सबका कल्याण हो रहा है। इस अवसर पर दूर नजदीक जिलों से नर नारी श्रृद्धालु भक्तगण पहुँचकर हनुमान जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर मनवांक्षित फल की प्राप्ति कर महा प्रसाद ग्रहण करेंगे।

अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज पुलिस तानाशाही की पराकाष्ठा-ज्ञानप्रकाश

पूर्वांचल के अधिवक्ताओं के साथ गाजियाबाद पहुंचा रूरल बार का एसोशिएसन का प्रतिनिधिमण्डल, आंदोलन को लेकर बार को सौपा समर्थन पत्र

गाजियाबाद। कोर्ट रूम में अधिवक्ताओं पर हुए पुलिस लाठीचार्ज का विरोध दर्ज कराने गुरूवार को यहां आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश की अगुवाई में अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमण्डल गाजियाबाद पहुंचा। पूर्वाचल के लखनऊ, प्रतापगढ़, प्रयागराज, वाराणसी आदि जनपदों के बार एसोशिएसन के पदाधिकारियों के साथ पहुंचे अधिवक्ताओं ने पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में जमकर नारेबाजी कर गुस्से का भी इजहार किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के नेतृत्व में पहुंचे अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमण्डल ने बार एसोशिएसन गाजियाबाद के अध्यक्ष दीपक शर्मा तथा महामंत्री अमित नेहरा से मिलकर उन्हें जारी आंदोलन को लेकर एसोशिएसन का समर्थन पत्र सौंपा। धरना स्थल पर अधिवक्ताओं की हुई आमसभा को संबोधित करते हुए एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि गाजियाबाद में कोर्ट रूम से लेकर न्यायालय परिसर तक पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज तानाशाही की पराकाष्ठा है।

उन्होनें कहा कि न तो उत्तर प्रदेश सरकार एडवोकेटस प्रोटेक्शन एक्ट लागू कर पा रही है और न ही केंद्र सरकार अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक संसद में पारित करा पा रही है। उन्होनें कहा कि अधिवक्ताओं पर बेखौफ अपराधी हमलावर हैं तो अब पुलिस भी लखनऊ, कानपुर के बाद अब गाजियाबाद में लाठीचार्ज कर वकीलों के मौलिक अधिकारों को खुलेआम ठेंगा दिखा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने प्रशासन व सरकार को आगाह किया कि अधिवक्ताओं के मौलिक अधिकारों पर वह चौतरफा हमले में विराम नही लगा सकी तो देश को अब आजाद भारत में दूसरी क्रांति के रूप में अधिवक्ता क्रांति से बचाया नही जा सकता। एसोशिएसन के राष्ट्रीय महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश ने कहा कि गाजियाबाद जिला जज के साथ लाठीचार्ज के दोषी पुलिसकर्मियों की बर्खास्तगी न होने पर प्रदेशव्यापी अधिवक्ता आंदोलन तेज होगा। उन्होनें यह भी कहा कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान अधिवक्ता संसद भवन का लोकतांत्रिक ढंग से घेराव भी करेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता स्नेह कुमार त्यागी, कपिल त्यागी, सचिन गुप्ता, सोनिका सिंह, बिन्दु, कमलकिशोर, राजीव कुमार गुर्जर, संगीता, अनिल कुमार, मुकेश कुमार सिद्धार्थ, दीपांशु त्यागी, कुलदीप चौधरी, देवेन्द्र चौहान, अंकित मित्तल, सत्यपाल सिंह यादव, जितेन्द्र तिवारी, महेन्द्र शुक्ला, धीरज शुक्ला आदि अधिवक्ता रहे।

'विश्वनाथ में व्रतधारी संध्या अर्घ्य देकर प्रकृति के देवता भास्कर को किया नमन'

'जिले के प्रायः छठ घाटों में लोकगायिका व बिहार कोकिला शारदा सिन्हा का मधुर गीत का गुंज तथा श्रद्वांजलि कार्यक्रम'

'हजारों संख्या में श्रद्वालुओं का छठ घाटों पर भीड़ उमड़ी'

विश्वनाथ , असम । आस्था का महापर्व छठ का छटा आज जिले के सभी घाटोंमें देखने को मिला ।सर्वप्रथम व्रतधारी नंगे पाँव हाथ में कलश और श्रद्धालु अपने सिर पर बहंगी लेकर

छठ घाट पहुँच कर तथा कलश स्थापना करके चौका पूजन किया ।छठ मइया के आराधना में जुट गई ।विश्वनाथ जिले के सभी घाटों में व्रतधारी व श्रद्धालु भास्कर को अपना संध्या सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी 36 घंटा निर्जला व्रत का शुभारंभ किया द्य सभी घाटों में व्रतधारी ने पूजा अर्चना करते हुए आगामी दिनों में देश में मंगलमय की कामना की । आज दिनभर निर्जला उपवास कर रीति नीति से विविध प्रकार के ऋतु फल ,प्रसाद और घरों में बनाये ठेकुआ– खजूरी, कसार का लड्डू मिठाई आदि लेकर भक्तों ने घर से छठ घाट तक टोकरी में को छठ मइया तथा साक्षात प्रकृति के देवता भास्कर को अर्पित किया व्रत करने वाले भक्तगण पानी में उतरकर डूबते सूर्य देवता को पूजा अर्चना की ।दीप प्रज्वलित कर छठ व्रतधारी के हेठों से पारंपरिक मधुर छठ मईया तथा शारदा सिन्हा द्वारा गाए छठ गीत को गुनगुनाते हुए देखा गया। विश्वनाथ चारिआलि के पश्चिम चारिआलि छठ पूजा समिति, केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति, विश्वनाथ घाट पूजा समिति ने व्रतधारी के लिए विभिन्न सुविधा की व्यवस्था की। इसी प्रकार विश्वनाथ चाराली शहर के आमबाड़ी स्थित केन्द्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के तत्वावधान में छठ घाट पर सुंदर तरीके से पंडाल सजाकर समिति द्वारा बृहद रूप से व्रत धारी लिए सुविधा प्रदान किया गया ।इस मौके पर समिति द्वारा एक सभा को आयोजित किया। हिंदी सेवी व अध यापक संतोष कुमार महतो द्वारा संचालित सभा में मुख्य अतिथि के रूप मेंआसू केंद्रीय समिति कार्यवाहक सदस्य विक्रम विकास बोरा,अतिथि के रूप मेंआसू केंद्रीय समिति के पूर्व कार्यवाहक सदस्य रूपम दास, बी न्यूज के स्वत्वाधिकारी दिव्य ज्योति बरूवा, केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के वरिष्ठ सलाहकार गेशर प्रसाद साहू, सूर्यनारायण पांडे, गया प्रसाद गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष राजु प्रसाद, पूर्व उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश गुप्ता, पूर्व सचिव क्रमशः दिलीप सिंह, अखिलेश रौनियार, आट्सा के जितेन तांति,विश्वनाथ महाविद्यालय के वर्तमान छात्र एकता सभा के अध्यक्ष व सचिव को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इसके बाद प्रसिद्ध लोकगायिका व बिहार कोकिला,पद्मश्री , पद्म भूषण शारदा सिन्हा के याद में एक मिनट का मौन व्रत रखा गया। समिति के अध्यक्ष बलवीर राय,महासचिव अयोध्या प्रसाद गुप्ता , कोषाध्यक्ष सुधीर जयसवाल, अनिल साहू लव रौनियार, आदि मौजूद थे। समिति के सौजन्य मेंआयोजित छठ घाट मेंहर्ष–उल्लास का माहौल छाये रहने के साथ समिति द्वारा भक्तो को एक साथ सूर्य आरती कराया गया ।इधर विश्वनाथ चारालि के फलफलि मेंस्थित पश्चिम चारालि छठ पूजा समिति का छठ घाट आकर्षण का केंद्र बिंदु बना । समिति के अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, उपाध्यक्ष राजदेउ साहू, महासचिव रामकुमार ठाकुर,कोषाध्यक्ष बबलू गुप्ता आदि सदस्य के नेतृत्व में छठ घाट एक अहम पहचान बनाई है।विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के के तरफ से विश्वनाथ जिला तथा भारतवर्ष के सभी हिंदुओं को आस्था का महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं दी । इधर व्रतधारी घर लौटकर आंगन में कोसी भरा और डाला व सूप को फिर से पूजा अर्चना किया ।कल उदय भास्कर को अर्घ्य देकर छठ व्रती 36 घंटा निर्जला व्रत का खंडन करेगा

सम्पादकीय.....

आत्मघाती निष्क्रियता

यह जानते हुए भी कि आम भारतीयों को आनुवंशिक रूप से गैर–संक्रामक रोग मसलन हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर व मोटापा शेष विश्व के लोगों के मुकाबले कई साल पहले हो जाता है, देश में आधे वयस्कों की शारीरिक निष्क्रियता की रिपोर्ट परेशान करती है। विश्व विख्यात मेडिकल पत्रिका लांसेट ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की मार्गदर्शिका का हवाला देते हुए बताया था कि भारतीय जींस इन गैर संक्रामक रोगों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। हमें ये रोग अन्य देशों के मुकाबले दस साल पहले हो सकते हैं। लेकिन नियमित शारीरिक श्रम से हम इन रोगों को टाल सकते हैं। विश्व जनसंख्या समीक्षा का निष्कर्ष है कि हमारा देश विश्व फिटनेस रैंकिंग में 112वें स्थान पर आता है। यही वजह है कि भारत के आधे वयस्क सामान्य शारीरिक निष्क्रियता की वजह से कई गैर संक्रामक रोगों से जूझ रहे हैं। छोटे से देश ताइवान की शारीरिक सक्रियता के प्रति जागरूकता देखिए कि फिटनेस में वह शीर्ष दस एशियाई देशों में शुमार है। दरअसल, देश में शारीरिक सक्रियता व सेहत के प्रति राष्ट्रीय सोच विकसित करने की जरूरत होती है। जिन देशों, मसलन सिंगापुर, जापान व दक्षिण कोरिया ने फिटनेस रैंकिंग में अव्वल स्थान पाया है, वहां की सरकारों ने इसके लिये विशेष प्रोत्साहन योजनाएं क्रियान्वित की हैं। जिसके फलस्वरूप सेहत को लेकर सक्रियता ने जन–आंदोलन का स्थान लिया है। कमोबेश, योग को लेकर ऐसा अभियान प्रधानमंत्री मोदी की पहल से पूरी दुनिया में शुरू हुआ, लेकिन हमने उसे 21 जून विश्व योग दिवस के आसपास सीमित कर दिया। योग हमारी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल लांसेट की रिपोर्ट चौंकाती है कि आधे वयस्क भारतीय शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। यह प्रतिशत वर्ष 2000 में करीब बाइस फीसदी था। एक विरोधाभासी तथ्य यह है कि तब भारत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के हिसाब से तेरहवें स्थान पर था और आज जब भारत पांचवें स्थान पर है तो उसकी शारीरिक निष्क्रियता दुगुनी से अधिक हो गई है। ऐसे में जीडीपी वृद्धि के साथ शारीरिक सक्रियता में गिरावट का क्या यह निष्कर्ष निकाला जाए कि हम संपन्नता के साथ आलसी हो गए हैं? यानी आय बढ़ने के साथ हम शारीरिक गतिविधियों के प्रति उदासीन हो गए हैं? क्या भारतीयों की जीवन शैली शारीरिक सक्रियता के विमुख होती जा रही है? यह एक हकीकत है कि जैसे–जैसे हमारे जीवन स्तर में वृद्धि हुई और हमारा खान–पान समृद्ध हुआ, हमने प्रमाद की राह चुन ली। हम दफ्तर कार–स्कूटर से जाते हैं, आराम कुर्सी पर काम करते हैं, घर आकर सोफे पर पसर जाते हैं, टीवी,लेपटॉप व मोबाइल में डूब जाते हैं। लेकिन पैदल चलने की जहमत नहीं उठाते। हम सीढ़ी चढ़ने के बजाय लिफ्ट या एलीवेटर को तरजीह देते हैं। सब्जी मंडी कार से जाते हैं। ऑन लाइन मार्केटिंग के जमाने में हम घर बैठे ही सब कुछ हासिल कर लेते हैं। खाना ऑनलाइन मंगा लेते हैं। तभी बड़े बाजारों की रौनक गायब है। घर का काम हमने कामवाली और नौकर–चाकरों पर छोड़ दिया है। शरीर के स्वस्थ रहने का अपना नियम है। जितने हम चलेंगे, जीवन उतना लंबा चलेगा। हमारे पूर्वजों ने तमाम तीर्थ विकट भौगोलिक स्थितियों वाले स्थलों व पर्वतों पर स्थापित किए थे, ताकि शारीरिक श्रम से हम स्वस्थ रह सकें। हम बड़े तीर्थस्थल वाहनों या हैली सेवाओं से पहुंच रहे हैं। सुविधा सेहत की दुविधा पैदा करती है। जब शरीर से पसीना निकलता है तो शरीर में बीमारी पैदा करने वाले विजातीय द्रव्य भी बाहर निकलते हैं। शरीर के रोम–रोम पसीने से साफ होते हैं और शरीर हमारी त्वचा से भी ऑक्सीजन ग्रहण कर लेता है। योग व प्राकृतिक चिकित्सा का सिद्धांत है कि शरीर के जिस भी हिस्से में ऑक्सीजन की कमी होती है, वह रोगग्रस्त हो जाता है। यही वजह है कि हम प्राणायाम के जरिये शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाकर स्वस्थ रहते हैं। हम नियमित रूप से आसन, प्राणायाम व ध्यान के जरिये तंदुरुस्त रह सकते हैं। तमाम शोध–अनुसंधान इसके जरिये मनोकायिक रोग दूर होने की बात की पुष्टि कर रहे हैं। हमें अपनी योग व प्राकृतिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत का लाभ उठाना चाहिए।

मदरसा शिक्षा पर बड़ा फैसला

डॉ. दीपक पाचपोर

मगर मदरसों के छात्र 12वीं तक की शिक्षा पहले की तरह ले सकेंगे। दरअसल यहां मसला इस बात का नहीं है कि बच्चों को कौन सी डिग्री मिल रही है और कौन सी नहीं। असल सवाल उस अधिकार का है, जो संविधान के दायरे में रहकर अल्पसंख्यक समुदाय को दिया गया था, लेकिन उसके हनन के खतरे खड़े हो गए थे।

मंगलवार 5 नवंबर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए उत्तरप्रदेश मदरसा अधिनियम 2004 को मान्यता बरकरार रखी है। दरअसल इसी साल 22 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मुलायम सिंह सरकार द्वारा बनाए गए इस अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक योजना बनाने का निर्देश भी दिया था, ताकि वर्तमान में मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जा सके। गौरतलब है कि 2004 में बनाए गए मदरसा अधिनियम का मकसद मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करना था। इसमें मदरसा शिक्षा को अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा), दर्शन और अन्य विषयों की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है। उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार मदरसे हैं। जिनमें से साढ़े 16 हजार मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की ओर से मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 560 मदरसों को सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। इसके अलावा, राज्य में साढ़े आठ हजार गैर–मान्यता प्राप्त मदरसे भी चल रहे हैं। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देता है। इनको क्रमशरू कामिल और फाजिल कहा जाता है। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मदरसे कामिल और फाजिल की डिग्री नहीं दे सकेंगे, क्योंकि यह यूजीसी के अंतर्गत आते हैं। मगर मदरसों के छात्र 12वीं तक की शिक्षा पहले की तरह ले सकेंगे। दरअसल यहां मसला इस बात का नहीं है कि बच्चों को कौन सी डिग्री मिल रही है और कौन सी नहीं। असल सवाल उस अधिकार का है, जो संविधान के दायरे में रहकर अल्पसंख्यक समुदाय को दिया गया था, लेकिन उसके हनन के खतरे खड़े हो गए थे। मार्च 2024 में अंशुमन सिंह राठौड़ की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब मदरसा अधिनियम के खिलाफ फैसला सुनाया था, तो इसे धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया था। इस फैसले के बाद उप्र सरकार ने मदरसों के खिलाफ तमाम फरमान जारी कर दिए थे। मदरसों की मनमानी जांच शुरू कर दी गई। हालांकि इन सभी मदरसों में आधुनिक शिक्षा दी जा रही थी लेकिन सरकार ने अपना आदेश जारी कर यह भी प्रचारित किया कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा नहीं दी जा रही। जबकि मदरसों के छात्र धार्मिक तालीम के साथ–साथ इतिहास, भूगोल, गणित और विज्ञान आदि उर्दू या अरबी के जरिए पढ़ते हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गईं। इनमें अंजुम कादरी, मैनेजर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (उप्र), ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (नई दिल्ली), मैनेजर एसोसिएशन अरबिया मदरसा नए बाजार और टीचर्स एसोसिएशन मदसिर अरबिया कानपुर शामिल थे। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस फैसले में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए बनाए गए संविधान के अनुच्छेद 30 पर भी ध्यान नहीं दिया गया, जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने भी उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आदेश सुनाते हुए धर्मनिरपेक्षता को लेकर जो कुछ कहा, वह भविष्य के लिए भी मिसाल बन गया है। अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा के लिए राज्य को अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ धर्मनिरपेक्ष संस्थानों के समान व्यवहार करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता होती है, जबकि उन्हें अपने अल्पसंख्यक चरित्र को बनाए रखने की अनुमति होती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता राज्य को सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करने के लिए कुछ व्यक्तियों के साथ अलग व्यवहार करने की अनुमति देती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा मौलिक समानता के सिद्धांत में संगति पाती है। इस व्याख्या के बाद संविधान प्रदत्त अधिकारों की जो मनमानी व्याख्या सत्तारुढ़ दल अपने छिपे एजेंडे को लागू करने के लिए करते हैं, उन पर शायद अंकुश लगे। दरअसल मदरसों को लेकर तमाम तरह की भ्रांतियां बीते कुछ बरसों में फैलाई गईं। इसी तरह मिशनरी स्कूलों को लेकर भी पूर्वाग्रह फैलाए गए और देश में कई जगहों पर इन स्कूलों में अराजक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की कोशिशें भी हुईं। इसके बरक्स संघ की सोच से संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों को खूब बढ़ावा मिला। वहीं स्कूलों में सूर्य नमस्कार, गायत्री मंत्र या गीता के पाठ के जरिए परोक्ष रूप से हिंदुत्व की राजनीति को बच्चों के नाजुक मन पर रोपने की कोशिशें भी चल ही रही हैं। संघ भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देखता है और सत्ता में बैठी भाजपा द्वारा कई ऐसे फैसले लिए गए या लेने की कोशिश की गई, जिनसे संघ का मकसद पूरा हो। आम दिनों के अलावा चुनावों के दौरान सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशें भाजपा की तरफ से तेज हो जाती हैं। अभी जिस तरह झारखंड चुनाव में हिमंता बिस्वा सरमा, आदित्यनाथ योगी, अमित शाह, नरेन्द्र मोदी जैसे भाजपा प्रचारक बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को तेज कर रहे हैं या महाराष्ट्र चुनाव में योगी के ही दिए नारे बंटेंगे तो कटेंगे के पोस्टर लगाए गए, वो इसकी मिसाल हैं। इस तरह की रणनीति से भाजपा को तात्कालिक फायदा भले मिल जाए, लेकिन देश को इसका नुकसान लंबे वक्त तक भुगतना पड़ेगा। वैसे भी 47 से लेकर अब तक सांप्रदायिक नफरत की आग में देश कई बार झुलस चुका है, ऐसे में संविधान की शपथ लेने वाली सरकारों को इस आग को बुझाने की कोशिश करनी चाहिए। अभी ऐसा नहीं हो रहा है, मगर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से यह उम्मीद बंधी हुई है कि गलत को सही करने की गुंजाइश बची है।

अपने ही जलाये चिराग को बुझाकर जा रहे हैं चन्द्रचूड़

डॉ. दीपक पाचपोर

भारत के सर्वोच्च न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के कामकाज का यह अंतिम सप्ताह है। देश के 50वें चीफ जस्टिस के रूप में काम करने के बाद वे आने वाले सप्ताह के अंतिम दिन यानी रविवार, 10 नवम्बर को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। 11 नवम्बर, 1959 को जन्मे सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पहले बाम्बे हाईकोर्ट में जस्टिस रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। देश में नागरिक अधिकारों की सर्वोच्च कस्टोडियन कही जाने वाली इस न्यायिक संस्था के मुखिया का पद उन्होंने 8 नवम्बर, 2022 को सम्हाला था। जिस दौरान वे इस कुर्सी पर बैठे थे, वह एक तरह से अंधेरे का समय था। दो चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस प्रकार से निरंकुश बन बैठे थे, उसके कारण देश की संवैधानिक संस्थाएं कमजोर हो चुकी थीं, विपक्ष लुंज–पुंज की अवस्था से वापिस खड़ा होने की कोशिश कर रहा था, अल्पसंख्यकों की इमारतों तथा नागरिक अधिकारों पर बुलडोजर चल रहे थे। फिलहाल मोदी जो तोड़ बहुत कमजोर पड़े हैं वह न्यायपालिका के कारण नहीं वरन नागरिकों के कारण है। सीजेआई चन्द्रचूड़ को कार्यकाल को किस प्रकार से याद किया जायेगा, इस पर विचार किये जाने का यह सटीक वक्त है। उनके पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भी 28 अगस्त 1972 को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे जिन्होंने न्यायपालिका के इतिहास में सबसे लम्बी अवधि तक इस पद पर बने रहने का इतिहास बनाया है– 7 साल 4 माह का। वे अपने निर्भीक फैसलों एवं जनपक्षीय न्यायदान के लिये जाने जाते थे। इसलिये जब उनके पुत्र डीवाई ने यह पद सम्हाला तो उनसे आशाएं होनी स्वाभाविक थीं क्योंकि वे निष्पक्षता व निर्भीकता की एक चमकदार पारिवारिक विरासत लेकर आये थे। वैसे तो बगैर डरे और पक्षपात विहीन न्याय की विरासत खुद न्यायपालिका में उपलब्ध है परन्तु मोदी–काल में जिस प्रकार से न्यायपालिका का व्यवहार रहा है, उसके कारण सीजेआई चंद्रचूड़ से स्वतंत्र न्याय की अपेक्षा के लिये लोग संस्था की बजाये उनके परिवार की ओर देखने लगे थे और याद करते थे। वे जब इस पद पर बैठे तो कई न्यायाधीश, यहां तक कि एक पूर्व चीफ जस्टिस भी लोगों को निराश कर चुके थे। पद छोड़ने के बाद किसी के लिये राज्यसभा में कुर्सी लगने लगी तो किसी को राजभवन की आरामदेह जिंदगी नसीब हुई। एक तो ऐसे भी निकले जिन्होंने त्यागपत्र देकर भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा का चुनाव तक लड़ लिया और संसद पहुंचे। ऐसे सारे पूर्व मी लॉर्ड्स ने निःसंदेह अपने पेशे को कलंकित किया क्योंकि उनकी कलम से ऐसे फैसले निकले थे जो सरकार से बढ़कर सत्ताधारी दल यानी भाजपा के लिये लाभकारी साबित हुए थे। यहां तक कि कुछ ऐसे निर्णय भी थे जो उस संविधान की धज्जियां उड़ाने के लिये भी जाने गये जिसकी रक्षा का भार एवं दायित्व इन्हीं माननीयों पर था। सेवा काल के बाद जब इन न्यायाधीशों ने सरकार में कोई पद सम्हाला या राजनीति में प्रवेश किया तो लोग उनके दिये निर्णयों को फिर से उलट–पलट कर देखने लगे और इसकी जांच करते रहे कि क्या उनमें कोई ऐसा एंगल रहा था जिसने भाजपा या सरकार को लाभ दिया हो। एक जज के रूप में परन्तु भविष्य में निजी तौर फायदा लेने के लिये हुए ये फैसले अंततोगत्वा भारतीय न्याय पद्धति की विश्वसनीयता को पलीता लगा गये। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से देशवासी ऐसे निर्णयों और न्यायाधीशों को देखने के आदी हो चुके हैं क्योंकि जब राष्ट्रपति रहे रामनाथ कोविंद ने तक बगैर ना–नुकुर के एक देश एक चुनाव के लिये बनी कमेटी का अध्यक्ष बनना स्वीकार कर लिया तो न्यायाधीशों की भला क्या बिसात? वैसे न्यायपालिका के जजों के बारे में अब कहा जाने लगा है कि श्जब सांसद–राज्यपाल बनने का अवसर सामने हो तो खामख्वाह जज लोया क्यों बना जाये? यह भी ख्याल रखा जाये कि जब डी वाय चंद्रचूड सीजेआई बने तब तक स्वीकार कर लिया गया था कि न्यायपालिका सरकार की जेब में है। उनके आने के पहले ही मोदी एवं उनके मुख्य सिपहसालार अमित शाह मनमाने ढंग से कई संविधान विरोधी या जनविरोधी कानून बगैर रूकावट के ला चुके थे। चाहे कृषि कानून हो या अनुच्छेद 370 की समाप्ति आदि, अपनी नागरिकता साबित करने के लिये कागज दिखाने पर मजबूर करने वाले कानून हों या न्याय संहिता में मनमाने बदलाव। सरकार के खिलाफ की गयी तमाम याचिकाएं न्यायपालिका में औंधे मुंह जा गिरती थी। सरकार और मोदी के खिलाफ बात करना गैरकानूनी ही नहीं एक तरह से पाप हो चला था। विरोधी दलों की सरकारें गिराई जाती रहीं तो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को शक्तिहीन किया गया अथवा जेलों में डाला जाता रहा। सरकारें गिराई जाती रहीं सो अलग। ऐसे में जब सीजेआई चन्द्रचूड़ ने सरकार की आलोचना को लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अच्छा बताया, जन आंदोलनों को लोकतांत्रिक अधिकार बताया तथा वे नागरिक अधिकारों के पक्ष में खड़े दिखाई दिये, तो उन्होंने मानों घुप अंधेरे में एक चिराग रोशन किया था। लोगों को लगने लगा था कि ऐसे न्यायाधीश से सरकार की मनमानी रूकेगी, मानवाधिकार बहाल होंगे और नागरिक उनके अधिकारों से पुनरू सुसज्जित होंगे। उनके कुछ निर्णय इस तरह के दिखाई तो दिये लेकिन उनका लास्टिंग इफेक्ट कहीं नजर नहीं आता। सरकार का लोकतंत्र विरोधी काम अब भी जारी है, विरोधी नेताओं के दरवाजों पर जांच एजेंसियां अब भी दस्तकें देती रहती हैं। कुछ नेताओं या कार्यकर्ताओं को बेल मिल जाना ही न्याय नहीं है क्योंकि वे अब भी अपने सिर पर अपराधी होने का ऐसा कलंक ढो रहे हैं जो साबित ही नहीं हुआ है। यह वक्त है कि उनके कई फैसलों या उनकी देखरेख में हुए निर्णयों की (चाहे वे उनमें शामिल रहे हों या न रहे हों) विवेचना का। यह तो सही है कि चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स को सही ठहराया पर इसके लिये न तो किसी भी पार्टी का पैसा जब्त किया न किसी को दोषी ठहराया, जैसे उनके एक पूर्ववर्ती सीजेआई ने बाबरी मस्जिद के विध्वंस को गैरकानूनी बतलाते हुए भी मंदिर बनाने का अधिकार दिया। सीजेआई चन्द्रचूड ने तोड़–फोड़ से बनी महाराष्ट्र सरकार को अवैध तो ठहराया लेकिन उसे वे सत्ता में बने रहने को मौन होकर देखते भी रहे। उन्होंने चंडीगढ़ नगरपलिका के निर्वाचन अधिकारी को लोकतंत्र का अपराधी बतलाया पर उसे जेल नहीं भेजा। ऐसे ही, उमर खालिद हों या सुधा भारद्वाज अथवा जीएन साईंबाबा या फादर स्टेन–इन सबकी न रिहाई सुनिश्चित की और न ही उनके खिलाफ आरोप साबित करने के लिये अभियोजन पक्ष को जवाबदेह बनाया। इनमें से कई अब भी जेल के भीतर दिन गिन रहे हैं या कुछ बाहर आकर मर गये हैं। दूसरी ओर दोषसिद्ध हुए अपराधी हर महीने– दो महीने में फरलो पर जेल के बाहर आ जाते हैं। प्रक्रिया को दोष नहीं दिया जा सकता न ही जिम्मेदार ठहराया जा सकता है (जो सजा से भी अधिक कष्टप्रद है) क्योंकि उसे भी न्यायपूर्ण बनाना सुप्रीम कोर्ट का ही काम है। जब सीजेआई चंद्रचूड़ ने अपने घर गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाया, तब भी सवाल उठे। अंधेरा छंटा नहीं है। ऐसे में जो दीपक सीजेआई चन्द्रचूड़ ने जलाया था उसे भी वे फूंक मारकर जा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में रिकार्ड उछाल

नन्तू बनर्जी

यूरोप और एशिया में भू–राजनीतिक तनाव बढ़ने और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा पहले से कहीं ज़्यादा सोना खरीदने के कारण पिछले साल से सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। आने वाले महीनों में सोने की कीमतों में उछाल का सिलसिला जारी रह सकता है, जब तक कि दुनिया में जल्द ही शांति और आर्थिक स्थिरता वापस नहीं आ जाती। हालांकि, निकट भविष्य में शांति और वित्तीय स्थिरता आने की संभावनाएं बहुत कम हैं क्योंकि ईरान ने इजरायल और हमास के उग्रवादियों के बीच युद्ध में दखल देते हुए इजरायल पर मिसाइलें फेंकी हैं और बाद में इजरायल ने भी चुनिंदा ईरानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी मिसाइल हमलों के साथ जवाब दिया है। सालों पुराना हमास–इजरायल युद्ध के अब ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य हिस्सों में फैलने का खतरा है। इसी तरह, दो साल पुराना रूस–यूक्रेन युद्ध एक बुरा मोड़ ले सकता है, क्योंकि उत्तर कोरिया रूस में सेना भेज रहा है, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते, पेंटागन ने पुष्टि की कि लगभग 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया है और माना जा रहा है कि वे श्अगले कुछ हफ्तोंठ्ठा में यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में शामिल हो जायेंगे। कई क्षेत्रों में भू–राजनीतिक स्थिति गंभीर है। शायद यही कारण है कि अनेक देशों के केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। 2024 की पहली छमाही के दौरान, केंद्रीय बैंकों ने रिकॉर्ड 483 टन सोना खरीदा, जो 2023 में 460 टन के पिछले रिकॉर्ड से पाँच प्रतिशत अधिक था। 2024 की पहली छमाही में तुर्की सोने का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने 45 टन सोना खरीदा। भारतीय रिजर्व बैंक 2024 में लगातार सोना खरीद रहा है, और सितंबर 2024 तक, इसने अपने घरेलू सोने के भंडार में 100 मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि की है। पोलैंड का राष्ट्रीय बैंक भारत के साथ संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्वर्ण खरीदार बन गया है। चीन पिछले 18 महीनों से अपने स्वर्ण भंडार में लगातार वृद्धि कर रहा है। देश का केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना अपनी परिसंपत्तियों में विविधता लाने, विदेशी मुद्राओं पर अपनी निर्भरता कम करने, मौद्रिक नीति में लचीलापन बढ़ाने, बढ़ती अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि कर रहा है। उभरते बाजार के सभी बैंक सोना खरीद रहे हैं। केंद्रीय बैंक डॉलर से अलग अपनी आरक्षित परिसंपत्तियों में विविधता लाने और अपने भंडार को मजबूत करने के लिए सोना खरीद रहे हैं। यह प्रवृत्ति डी–डॉलरीकरण के व्यापक विषय का हिस्सा है। संयोग से, चांदी की कीमतें भी इसी के साथ बढ़ रही हैं। भारतीय अमीर मध्यम वर्ग द्वारा सोने की निरंतर घबराहट भरी खरीद के कारण, देश में पीली धातु की खुले बाजार की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल अक्टूबर के मध्य में, 22 कैरेट सोने की कीमतें 53,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमतें 58,530 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। कुछ ही महीनों में, इस साल 31 जनवरी को 24 कैरेट सोने की कीमत 63,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने की कीमत 58,650 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत 76,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। पिछले महीने के अंत में, दिल्ली में सोने की कीमत 81,343 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गयी। राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 103,200रुपये प्रति किलोग्राम थी। हालांकि नवंबर में कीमतें अस्थायी रूप से थोड़ी कम हो सकती हैं, लेकिन आने वाले शादी के मौसम में वे फिर से बढ़ने के लिए बाध्य हैं। अमीर लोग मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा के लिए लगातार अपनी अतिरिक्त रुपये की संपत्ति को सोने में दबा रहे हैं। नाममात्र जीडीपी में दुनिया में भारत की अनुमानित प्रति व्यक्ति आय रैंक 136वीं है, जो 2022 मंध 2,089.73 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गयी है। देश ने दुनिया में सोने का पांचवां सबसे बड़ा आयातक होने का गौरव प्राप्त किया है, जो वैश्विक आयात का नौ प्रतिशत से अधिक है। 2023–24 में भारत का सोने का आयात साल–दर–साल 30 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त 2024 में, भारत ने रिकॉर्ड सोने के आयात की सूचना दी, जो कुल 10 अरब डॉलर था, जो पिछले महीने से तीन गुना वृद्धि थी। इस वर्ष के दौरान, भारत ने पहले चार महीनों में 2023 की तुलना में अधिक चांदी का आयात किया। फरवरी 2024 में, भारत का चांदी का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, और वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद थी। भारत का सोना और चांदी का आयात मुख्य रूप से पांच देशों से होता है, जिसमें स्विट्जरलैंड सोने के आयात का प्राथमिक स्रोत है, जबकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, गिनी और बोलीविया हैं। 2023–24 में यूएई से भारत के सोने और चांदी के आयात में 210 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां निजी सोने की जमाखोरी का अधिकांश हिस्सा निम्न मध्यम आय वर्ग के पास है। चीन में, उच्च मध्यम आय वर्ग के पास देश की सोने की बचत का अधिकांश हिस्सा है। लगभग हर जगह, उच्च आय वर्ग के पास निजी सोने की अधिकांश जमाखोरी होती है। दुनिया के शीर्ष निजी सोना जमा करने वाले देशों में शामिल हैंरू अमेरिका (8,133 टन), जर्मनी (3,352 टन), इटली (2,452 टन), फ्रांस (2,437 टन), चीन (2,264 टन), जापान (846 टन), भारत (841 टन) और नीदरलैंड (612 टन)। सोना शायद एकमात्र ऐसी वस्तु है, जिसकी मांग कीमत के साथ बढ़ती है। चालू वर्ष की तीसरी तिमाही (क्त3) के परिणामों के अनुसार, कुल सोना मांग में साल दर साल रिकॉर्ड पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह मजबूती सोने की कीमत में परिलक्षित हुई, जो तिमाही के दौरान कई नये रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गयी। मांग का मूल्य साल दर साल 35 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 100अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, सोने की छड़ और सिक्कों में निवेश (269 टन) में साल दर साल नौ प्रतिशत की गिरावट आयी, जो कि 2023 की अपेक्षाकृत मजबूत तीसरी तिमाही से कम है। गिरावट का अधिकांश हिस्सा दो या तीन प्रमुख बाजारों तक सीमित था, जिसे भारत में एक बहुत मजबूत तिमाही द्वारा संतुलित किया गया। भारत में मजबूत वृद्धि के बावजूद सोने के आभूषणों की खपत (459 टन) में साल दर साल 12 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि उपभोक्ताओं ने कम मात्रा में खरीदारी की, लेकिन सोने के आभूषणों पर उनका खर्च बढ़ गया। मांग का मूल्य साल दर साल 13 प्रतिशत बढ़कर 36 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वैश्विक स्वर्ण मूल्यों को नियंत्रित करने वाले सामान्य कारक जैसे भू–राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति संबंधी दबाव, केंद्रीय बैंक की खरीद, बांड प्रतिफल और अमेरिकी डॉलर की मजबूती या कमजोरी आदि भारत के विशाल निम्न मध्यम आय वर्ग को चिंतित नहीं करते हैं।

बेटी का नाम दुआ रखने पर ट्रोल हुए दीपिका-रणवीर, यूजर्स बोले-आप दोनों हिंदू हैं, भूल गए क्या ?

बॉलीवुड कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह इन दिनों पेरेंटिंग एंजॉय कर रहे हैं। दीपवीर ने 8 सितंबर को अपने पहले बच्चे के रूप में एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने दुआ रखा है। अभी कुछ दिन पहले ही कपल ने अपनी बेटी का नाम रिवील किया है और साथ ही उसका मतलब भी फैंस को बताया। वहीं, बेटी का नाम दुआ रखने पर नेटिजन्स दीपिका–रणबीर को ट्रोल कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं इसके पीछे क्या वजह है..

दरअसल, दिवाली के मौके पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बेटी के पैरों की एक फोटो शेयर करते हुए उसका नाम और उसका मतलब बताया। कपल ने कैप्शन में लिखा–दुआ पादुकोण सिंह। दुआ जिसका मतलब है प्रार्थना, क्योंकि वो हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है। हमारे दिल प्यार और ग्रेटिट्यूड से भरे हुए हैं। वहीं, दीपिका और रणवीर की बेटी का नाम कुछ लोगों को पसंद नहीं आया और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करने लग गए। दरअसल, यूजर्स का दावा है कि दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी का मुस्लिम नाम रखा है, जबकि कपल का ताल्लुक हिंदू धर्म से है। ऐसे में लोग तरह–तरह के कमेंट कर उन्हें ट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा–दुआ नहीं, प्रार्थना। दूसरे ने लिखा–ये एक अरबी या मुस्लिम शब्द

> दिवाली के मौके पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बेटी के पैरों की एक फोटो शेयर करते हुए उसका नाम और उसका मतलब बताया। कपल ने कैप्शन में लिखा-दुआ पादुकोण सिंह। दुआ जिसका मतलब है प्रार्थना, क्योंकि वो हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है।

है। आप लोग कैसे हिंदू हैं। अन्य एक ने कहा– दुआ? कोई हिंदू नाम नहीं सूझा क्या? दुआ? दुआ क्यों? प्रार्थना क्यों नहीं? आप दोनों हिंदू हैं, भूल गए हैं क्या?

पुष्पा 2 द रूल ने अमेरिका में 15के टिकट बेचकर बनाया रिकॉर्ड

पुष्पा 2 द रूल ने अपनी ऑफिशल रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह फास्टेस्ट इंडियन फिल्म बन गई है, जो यूनाइटेड स्टेट में 15000 से ज्यादा टिकट्स बेच चुकी है। 2021 की ब्लॉकबस्टर पुष्पारू द राइज का मच अवेटेड सीक्वल दुनिया भर में फैंस के बीच बहुत एक्साइटमेंट पैदा कर रहा है। बता दें कि इसका प्रीमियर 4 दिसंबर 2024 को होने वाला है और वर्ल्डवाइड रिलीज इसकी 5 दिसंबर 2024 को होगी। ये फिल्म, जिसे सुकुमार ने डायरेक्ट किया है और जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, और फहद फासिल है, पहले से ही यूएस मार्केट में अपनी टिकट बिक्री से काफी चर्चा पैदा कर चुकी है। यह जबरदस्त नंबर्स फिल्म के ओवरसीज फैनबेस को दिखाते हैं, खासकर इंडियन कम्युनिटी के बीच, जो पुष्पराज की एक्शन पैक्ड कहानी के नेक्स्ट पार्ट का इंतजार कर रहे थे। मूवी का साउंडट्रैक, जो देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है, और उसकी मनोरंजक कहानी ने चर्चा को और बढ़ा दिया है, फिल्म फैंस को एक इंटेंस सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। अल्लू अर्जुन के डेयरिंग और निडर पुष्पा के रूप में वापस आने के साथ, फिल्म एक्शन, ड्रामा और इमोशन का एक रोमांचक मेल लेकर आने जा रही है, बिल्कुल पहले पार्ट की तरह। जैसा कि हम 2024 को अलविदा कह रहे हैं, पुष्पा 2 द रूल साल के अंत के लिए एक बेहतरीन मनोरंजन होने जा रहा है। अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल स्टारर इस फिल्म का डायरेक्शन सुकुमार ने किया है और इसे मैश्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है, जिसमें टी–सीरीज का म्यूजिक है।

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म आजाद का दमदार टीजर आया सामने

अजय देवगन, डायना पेंटी और अमन देवगन और राशा थडानी अभिनीत आगामी एक्शन फिल्म आजाद का टीजर सामने आया है। आजाद के निर्माता अभिषेक कपूर ने फिल्म के टीजर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, हर जंग में, हर बहादुर योद्धा के साथ, एक वफादार घोड़ा जरूर रहा है। आजाद का टीजर रिलीज हुआ, जनवरी 2025 में बड़े पर्दे पर रोमांच का नजारा देखें। यह दिलचस्प टीजर दर्शकों को हल्दीघाटी के ऐतिहासिक युद्ध की याद दिलाता है। इस टीजर में महाराणा प्रताप को दिखाया गया है, जिन्होंने 40 हजार की एक खतरनाक दुश्मन सेना का सामना केवल आठ से नौ हजार सैनिकों के साथ किया। टीजर में महाराणा प्रताप के घोड़े पर फोकस किया गया है। टीजर में उसे हाथी जितना लंबा, मोर की तरह पतली गर्दन वालाश और शबिजली की तरह तेज बताया गया है। कहा गया है कि यह तेजी के साथ घाटियों को पार करने में सक्षम है। आजाद अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन और अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन "काई पो चे", "केदारनाथ", "रॉक ऑन" और "चंडीगढ़ करे आशिकी" जैसी शानदार फिल्में बनाने वाले निर्देशक अभिषेक कपूर ने किया है। 30 अक्टूबर को अजय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म आजाद का पहला पोस्टर जारी किया था। पोस्टर में घोड़े पर सवार एक व्यक्ति को कई हाथों से घिरा हुआ दिखाया गया है, लेकिन किसी का चेहरा नहीं दिखाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म श्आजादश का एक पोस्टर शेयर कर अजय देवगन ने प्रशंसकों को बताया है कि भतीजे अमन देवगन की फिल्म का टीजर कब आउट होगा। उन्होंने कैप्शन में लिखा ष्जब भी दोस्ती और वफादारी का जिक्र होगा तब बात सिर्फ आजाद की होगी। आजाद का टीजर कल 5 नवंबर को रिलीज होगा। फिल्म की रिलीज के साथ इस जनवरी 2025 में बड़े पर्दे पर रोमांच के गवाह बनें। रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा निर्मित और अभिषेक नय्यर और अभिषेक कपूर द्वारा सह–निर्मित आजाद आरएसवीपी और गाइ इन द स्काई पिक्चर्स के बैनर तले बनाई जा रही है। फिल्म जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म की शूटिंग के बीच हैदराबाद में जान्हवी कपूर ने की विशेष पूजा

अक्सर तिरुपति मंदिर में दर्शन के लिए जाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर को कई बार उज्जैन महाकाल और केदारनाथ के दर्शन करते देखा गया था, लेकिन इस बार उन्होंने हनुमान मंदिर में पूजा की है। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने हैदराबाद के मधुरानगर स्थित हनुमान मंदिर में विशेष पूजा की। जान्हवी कपूर आरआरआर स्टार राम चरण के साथ एक फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद आईं थीं और उन्होंने हनुमान मंदिर में पूजा करने का मौका नहीं छोड़ा। मंदिर के पुजारी ने विशेष पूजा की और आशीर्वाद दिया। जान्हवी कपूर की देवताओं में गहरी आस्था है। वह अक्सर मंदिरों में जाती हैं और नियमित रूप से तिरुमाला के श्रीवारी जाती हैं। उनकी इस भक्ति की चर्चा सोशल मीडिया पर भी होती है।

इन फिल्मों में आएंगी नजर

जान्हवी कपूर ने तेलुगु फिल्म श्देवरारू पार्ट 1श में काम किया और तेलुगु दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं। उनकी आने वाली फिल्म श्देवरा 2श में भी उनकी भूमिका खास होने की उम्मीद है। फिलहाल वह राम चरण की फिल्म श्आरसी 16श में काम कर रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है और इसी फिल्म के सिलसिले में जान्हवी हैदराबाद पहुंची, जहां उन्होंने न सिर्फ मंदिर में दर्शन किए बल्कि एक खास पूजा भी की। इससे एक बार फिर पता चलता है कि जान्हवी कपूर पूजा–पाठ में काफी विश्वास रखती हैं। वह वरुण धवन के साथ धर्मा प्रोडक्शन की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी नजर आएंगी।

जान्हवी पर है अपनी मां का असर

जान्हवी कपूर की मां मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी की मातृभाषा तेलुगु है और यही वजह है कि जान्हवी कपूर का भी वहां से जुड़ाव है। जान्हवी भी धाराप्रवाह तेलुगु बोलती हैं और उन्होंने यह तोहफा श्देवरारू पार्ट 1श की रिलीज के दौरान दिया। गौरतलब है कि श्रीदेवी ने भी अपने करियर में कई तेलुगु फिल्में कीं। वहीं जान्हवी भी अपनी मां के दिखाए रास्ते पर चल रही हैं। बॉलीवुड से शुरुआत करने के बाद उन्होंने टॉलीवुड का भी रुख कर लिया है। उम्मीद है कि जान्हवी भी अपनी मां की तरह एक मजबूत तेलुगु फैन बेस तैयार करेंगी। वैसे जान्हवी की खूबसूरती की तुलना अक्सर उनकी मां से की जाती है।

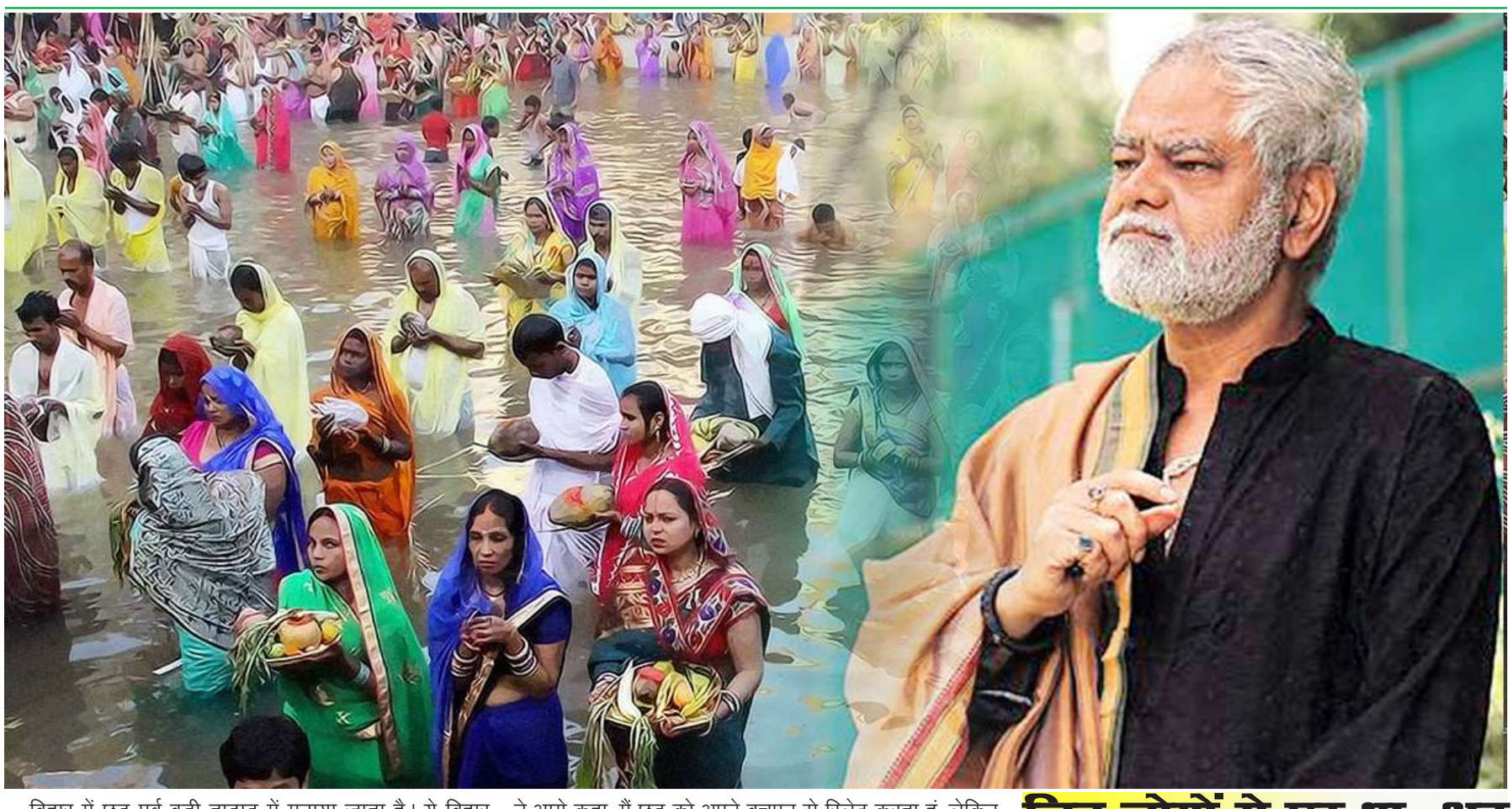

जिन लोगों से छठ था, अब वहीं नहीं रहे..छठ पर्व को यादकर भर आई संजय मिश्रा की आंखें, बोले-अब घाट ले जाने वाला..

बिहार में छठ पर्व बड़ी तादाद में मनाया जाता है। ये बिहार के लोगों के लिए सिर्फ एक त्योहार नहीं है, ये एक फीलिंग है, जो सबको साथ लेकर आती है। ये पर्व घरों से दूर रह रहे लोगों को परिवार में लेकर आता है। इस बार 7 नवंबर को छठ पर्व मनाया जा रहा है और इस मौके पर एक्टर संजय मिश्रा अपने परिवार को याद करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने छठ पूजा से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को ताजा किया और इसे बताते हुए रो पड़े। बिहार के दरभंगा में जन्मे संजय मिश्रा ने अपने जीवन का काफी वक्त बनारस में भी बिताया। यहीं पर वो अपनी फैमिली के साथ छठ पर्व मनाया करते थे। ऐसे में हाल ही में डिजिटल कमेंट्री के साथ एक इंटरव्यू में संजय मिश्रा ने छठ पूजा को लेकर बात की और अपने गहरे जुड़ाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, छठ मेरे शुरुआती वर्षों का एक बड़ा हिस्सा था। इसी कड़ी में आगे मिश्रा ने आगे कहा, मैं छठ को अपने बचपन से रिलेट करता हूं, लेकिन अब नहीं कर पाता हूं। क्योंकि मेरे दादा नहीं हैं मेरी उंगली पकड़कर ले जाने वाले। मैं कल ही सोच रहा था इस बारे में, मेरे फादर नहीं हैं जगाने वाले और उठाने वाले कि उठो...घाट छेकने जाना है। अब तो छठ के समय में ठंड भी नहीं पड़ती। उस दौर में बाप रे बाप...और कोई भाई धीरे से गंगा जी में लुढ़का दे और कहे कि रो काहे रहे हो चाची जी को भी तो इसी पानी में पूरा दिन खड़ा रहना है, तुम तो खाली डूब के आए हो। वो सब नहीं है तो जिन लोगों से छठ था, सब चाचा आते थे, बुआ आती थीं, चाची व्रत करती थी और अब वहीं लोग नहीं रहे। इसमें बुरा मानने वाली कोई बात नहीं है, लेकिन जीवन बस समय के साथ बदलता रहता है। काम की बात करें तो संजय मिश्रा वध, भूल भुलैया 2 और गोलमाल जैसी फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। वहीं, हाल ही में हालिया रिलीज हुई कार्तिक आर्यन स्टारर भूल भुलैया 3 में देखा गया है। इसमें वो बड़े पंडित के किरदार से लोगों का दिल जीतते नजर आए हैं।

फेशियल हेयर ग्रोथ की वजह से खराब हो गया है चेहरे का लुक, तो ट्राई करें ये नुस्खा

कुछ लोगों के हाथ–पैरों के साथ ही फेशियल हेयर की ग्रोथ भी बहुत तेजी से होती है। जिसके कारण फेस का लुक खराब दिखने लगता है। ऐसे में कोई भी बार–बार पार्लर जाकर या फिर घर पर शेव नहीं कर सकता है। वहीं रोज–रोज ऐसा करना समय और पैसों दोनों की बर्बादी लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं, जो फेशियल हेयर को हटाने में मदद कर आपके फेस पर निखार लाने का काम करेगा। साथ ही अगर आपको व्हाइटहेड्स या ब्लैकहेड्स की समस्या है, तो यह नुस्खा इसके लिए भी फायदेमंद साबित होगा। तो आइए जानते हैं इस घरेलू नुस्खे के बारे में...

क्यों आते हैं फेशियल हेयर

वैसे तो चेहरे पर अनचाहे बालों का आना कई वजहों से हो सकता है। जोकि महिलाओं और पुरुषों दोनों में अलग–अलग हो सकते हैं। एंड्रोजन नामक मेल हार्मोन का लेवल बढ़ने की वजह से महिलाओं के फेस पर बाल आने लगते हैं। इसको पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम कहा जाता है। अगर अचानक से आपके फेस पर बाल बहुत बढ़ गए हैं, या फिर आपको कोई अन्य स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको सबसे पहले डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। वहीं अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है और फेस पर निकले नॉर्मल बालों को साफ करना चाहती हैं, तो आप यह उपाय अपना सकती हैं।

फेशियल हेयर रिमूवल मास्क सामग्री

आटा– 2 चम्मच

कॉफी–1 चम्मच

पानी– जरूरत अनुसार

पील ऑफ मास्क– 1 चम्मच

चेहरे से बाल हटाने का तरीका

एक कटोरी में आटा, कॉफी, पानी और पील ऑफ मास्क को बताई गई मात्रा अनुसार मिक्स कर लें।

अब इसको अपने फेस पर 10 मिनट के लिए अप्लाई करें।

जब यह सूख जाए, तो फेस वॉश करने की जगह हल्के हाथों से रब करने फेस मास्क को हटाएं।

फिर नॉर्मल पानी से फेस वॉश कर लें।

इस आसान तरीके से आपके फेस से छोटे–छोटे बाल साफ हो जाएंगे और चेहरे की गंदगी भी साफ हो जाएगी।

फेस पर शेव करने के नुकसान

फेस पर शेव करने से पहले आपको अपनी त्वचा के प्रकार और जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए। जरूरी नहीं है कि अगर आपकी कोई दोस्त या बहन फेस पर रेजर करती हैं, या उनको सूट कर रहा है, तो आपको भी करेगा।

इससे फेस पर कट लगने और नुकसान होने का भी खतरा हो सकता है। इसलिए अगर आपको शेव करना नहीं आता है, या फिर आप बिगनर हैं तो अकेले न करें।

दुल्हन इस तरह से करें 30 दिनों में वेट लॉस, जानें आसान तरीके

हर लड़की के लिए शादी वाला दिन बेहद खास होता है। पसंदीदा लहंगे के लिए आप पूरा बाजार देख लेती है। फोटोज के लिए लहंगा तो परफेक्ट ले लिया लेकिन आपका बेली फैट और डबल चिन लुक्स को खराब कर सकता है। अगर आपकी शादी दिसंबर में होने वाली है तो आप आज से ही वेट लॉस के लिए इन जरुरी टिप्स को फॉलो करना शुरु कर दें। 30 दिन तक इस डाइट को फॉलो करें।

नट्स का सेवन करें

आप अपनी डाइट में काजू, बादाम, पिस्ता, अखरोट जैसे नट्स को डाइट में शामिल करें सही न्यूट्रिशन मिलता है। ध्यान रहे कि नट्स वेट को बढ़ा भी सकता है। इसलिए अगर आप मुठ्ठीभर नट्स को खाना पसंद करते हैं, तो इससे केवल गुड फैट को बढ़ाता है बल्कि बॉडी को सही शेप देने में मदद करता है।

फ्रेश फ्रूट खाएं

ताजे फल के सेवन से फाइबर अधिक मात्रा में प्राप्त होती है। इसमें विटामिन्स और मिनरल्स मिल जाते हैं। डाइजेस्टिव सिस्टम को सही रखने में मदद मिलती है और बॉडी अंदर से डिटॉक्स करता है।

सलाद खाएं

सलाद खाने से शरीर तो स्वस्थ रहता है साथ में वेट लॉस भी होता है। इसमें फाइबर होता है सेहत के लिए बढ़िया होता है। वेजिटेबल्स और फ्रूट को डाइट में लेने से बॉडी डिटॉक्स होती है और इसके साथ ही स्किन ग्लो करती है। पेट की चर्बी भी दूर होती है।

ग्रीन टी पिएं

आमतौर पर ग्रीन टी के सेवन करने से बेली फैट गायब हो जाता है। इसके मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग करता है। जिन लोगों को बार–बार मीठा खाने की क्रेविंग रहती है। उनको ग्रीन टी का सेवन जरुर करना चाहिए।

जिंजर टी

अगर आपके शरीर में पफीनेस है और इंफ्लेमेशन की शिकायत रहती है तो जिंजर लेमन टी जरुर पिएं। शरीर की सूजन कम करने के लिए अदरक वाली चाय पिएं।

शारदा सिन्हा किस बीमारी से पीड़ित थीं ? जानिए मल्टीपल मायलोमा के खतरनाक संकेत

बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा का 5 नवंबर 2024 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वह 72 वर्ष की थीं और अपनी आवाज के जादू से भोजपुरी, मैथिली, और छठ के गीतों में एक अलग ही पहचान बना चुकी थीं। शारदा सिन्हा पिछले कुछ समय से मल्टीपल मायलोमा नामक गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं, जिसके चलते उनकी हालत गंभीर हो गई थी। इस बीमारी के कारण ही उनका निधन हुआ। आइए, जानते हैं कि मल्टीपल मायलोमा क्या है, इसके शुरुआती लक्षण क्या होते हैं, और इसका इलाज कैसे किया जाता है।

मल्टीपल मायलोमा क्या है?

मल्टीपल मायलोमा एक प्रकार का ब्लड कैंसर है, जिसे अस्थि मज्जा का प्लाज्मा कोशिका कैंसर भी कहा जाता है। इसमें शरीर की व्हाइट ब्लड सेल्स (जो आमतौर पर शरीर को संक्रमण से बचाने का काम करती हैं) असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं। ये असामान्य कोशिकाएं हड्डियों, किडनी और इम्यून सिस्टम को नुकसान पहुंचाती हैं। यह बीमारी अधिकतर वृद्धावस्था में पाई जाती है और हड्डियों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती है।

मल्टीपल मायलोमा के शुरुआती संकेत

मल्टीपल मायलोमा के लक्षण अक्सर शुरुआत में हल्के होते हैं और धीरे–धीरे गंभीर हो सकते हैं। इसके प्रमुख संकेतों में शामिल हैं:

हड्डियों में दर्द

मल्टीपल मायलोमा के कारण असामान्य रक्त कोशिकाओं का विकास हड्डियों में असंतुलन पैदा कर सकता है, जिससे हड्डियों में दर्द होता है। विशेष रूप से रीढ़ की हड्डी, छाती और पसलियों में दर्द महसूस होना एक सामान्य लक्षण है। यह दर्द हल्का से लेकर तीव्र हो सकता है और अक्सर दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करता है। इस दर्द के कारण व्यक्ति को सामान्य रूप से बैठने, खड़े होने या उठने में भी कठिनाई हो सकती है। हड्डियों में यह दर्द यह संकेत हो सकता है कि कैंसर ने हड्डियों को कमजोर करना शुरू कर दिया है, जिससे हड्डियों के टूटने और फ्रैक्चर का खतरा भी बढ़ जाता है।

मल्टीपल मायलोमा का इलाज

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी एक प्रमुख इलाज विधि है, जिसका उपयोग कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए किया जाता है। इसमें रसायनिक दवाओं का उपयोग किया जाता है, जो असामान्य और कैंसर कोशिकाओं को खत्म करती हैं, हालांकि यह स्वस्थ कोशिकाओं को भी प्रभावित कर सकती है। इस प्रक्रिया से शरीर में संक्रमण और थकान की स्थिति बढ़ सकती है, लेकिन यह कैंसर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

रेडियोथेरेपी

रेडियोथेरेपी में रेडिएशन का उपयोग किया जाता है, जो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करता है। यह हड्डियों के दर्द को कम करने में भी सहायक है, खासकर तब जब मल्टीपल मायलोमा के कारण हड्डियां कमजोर हो जाएं। हालांकि, रेडियोथेरेपी के प्रभाव से व्यक्ति में त्वचा की जलन और थकावट हो सकती है।

इम्यूनोथेरेपी

इम्यूनोथेरेपी में दवाइयां दी जाती हैं जो इम्यून सिस्टम को सक्रिय कर, शरीर की प्राकृतिक क्षमता को बढ़ाती हैं ताकि वह कैंसर कोशिकाओं से लड़ सके। इस इलाज के दौरान शरीर में दवाओं का प्रभाव शरीर को बाहरी हमलों से बचाता है और कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करता है।

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट में स्वस्थ स्टेम सेल को शरीर में डाला जाता है, जो रक्त कोशिकाओं की नवीनीकरण प्रक्रिया को बढ़ावा देता है। इससे शरीर में नए और स्वस्थ रक्त कोशिकाएं बनती हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करती हैं और खून की कमी को दूर करने में मदद करती हैं। यह एक जटिल प्रक्रिया है, जिसे गंभीर मामलों में ही अपनाया जाता है।

दवाइयां

मल्टीपल मायलोमा के इलाज में दवाइयां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दर्द को नियंत्रित करने के लिए पैरासिटामोल और ट्रामाडोल जैसी दवाइयां दी जाती हैं। इसके अलावा, हड्डियों को मजबूत बनाने वाली दवाइयां दी जाती हैं ताकि हड्डियों के फ्रैक्चर का जोखिम कम हो सके।

हड्डियों की सर्जरी

मल्टीपल मायलोमा के कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उनमें फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे मामलों में हड्डी की सर्जरी की जा सकती है, ताकि हड्डी के फ्रैक्चर को ठीक किया जा सके और व्यक्ति को दर्द से राहत मिल सके। यह सर्जरी तब की जाती है जब दवाइयों से समस्या का समाधान नहीं होता।

मल्टीपल मायलोमा कितनी खतरनाक है?

मल्टीपल मायलोमा एक घातक बीमारी है, जिसमें 5 साल का सर्वाइवल रेट केवल 40–50: ही होता है। यदि समय रहते इलाज शुरू नहीं किया जाता, तो 85: मरीज एक साल के भीतर ही इस बीमारी से निधन को प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, अगर निदान समय पर हो जाए और इलाज सही तरीके से किया जाए, तो 30: लोग 10 साल तक जी सकते हैं। इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए, सही उपचार और समय पर निदान इस बीमारी से बचाव के लिए बेहद आवश्यक है। मल्टीपल मायलोमा एक गंभीर बीमारी है, और इसका सर्वाइवल रेट कम है। यदि बीमारी का सही समय पर निदान न हो, तो इसका इलाज मुश्किल हो सकता है। कुछ हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक

इस बीमारी का 5 साल का सर्वाइवल रेट लगभग 40 से 50: होता है। लगभग 85: मायलोमा के मरीज 1 साल के अंदर ही निधन हो जाते हैं।

हालांकि, यदि बीमारी का निदान समय पर हो जाए और उचित उपचार शुरू किया जाए, तो करीब 30: मरीज 10 साल तक जीवित रह सकते हैं।

मल्टीपल मायलोमा एक खतरनाक और जटिल बीमारी है, जो समय रहते सही उपचार से नियंत्रित की जा सकती है। शारदा सिन्हा जैसी महान हस्ती की इस बीमारी के कारण मृत्यु एक बड़ा शोक है, लेकिन उनके योगदान को लोग हमेशा याद रखेंगे। उनका निधन न केवल भोजपुरी और मैथिली संगीत जगत के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

पॉल्यूशन के कारण सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे हैं तो रोजाना करें मकरासन, यह है तरीका

आजकल बढ़ते वायु प्रदूषण (एयर पॉल्यूशन) का असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है, खासकर सांस संबंधी समस्याओं पर। खांसी, छींक, सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं, और यह स्थिति गंभीर होती जा रही है। दिल्ली–एनसीआर जैसे शहरों में दिवाली के आसपास प्रदूषण का स्तर इतनी अधिक बढ़ जाता है कि लोगों को खुले में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दूसरी दवाइयों और उपायों के अलावा, योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। खासतौर पर मकरासन योगासन आपके फेफड़ों को मजबूत बनाने, सांस संबंधी समस्याओं से राहत देने और मानसिक शांति पाने के लिए बहुत प्रभावी है।

मकरासन योग के लाभ

मकरासन को सांस संबंधी समस्याओं से राहत पाने के लिए एक शक्तिशाली योगासन माना जाता है। यह शरीर के विभिन्न हिस्सों को फायदा पहुँचाता है और मानसिक स्थिति को भी सुधारता है। तो चलिए जानते हैं मकरासन के फायदे और इसे करने का तरीका।

सांस लेने की क्षमता में सुधार

मकरासन करते समय छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे सांस लेने पर नियंत्रण बढ़ता है। यह खासतौर पर अस्थमा, ब्रोंकाइटिस या किसी भी तरह की सांस संबंधी समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे छाती फैलती है, जो सांस लेने में सुधार लाती है और श्वसन तंत्र को मजबूत करती है।

तनाव और चिंता को दूर करें

मकरासन से शरीर में रक्त संचार में सुधार होता है, जिससे मस्तिष्क सक्रिय रहता है और मानसिक थकान कम होती है। यह योगासन मानसिक शांति प्रदान करता है, तनाव और चिंता को दूर करता है, और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाता है। इस योग को रोजाना सुबह करने से आप पूरे दिन सक्रिय और सकारात्मक महसूस करते हैं।

बॉडी पोस्चर में सुधार

मकरासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है, जिससे शरीर के पोस्चर में सुधार आता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने के कारण अपनी पीठ और रीढ़ की हड्डी में दर्द महसूस करते हैं। साथ ही, यह हैमस्ट्रिंग, ग्लूट्स और अन्य मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है।

शरीर में लचीलापन बढ़ाए

मकरासन शरीर में लचीलापन बढ़ाता है, क्योंकि यह पूरे शरीर में खिंचाव पैदा करता है। यह खासतौर पर कंधों, गर्दन, रीढ़ और घुटनों के दर्द को कम करने में मदद करता है। यदि आप लंबे समय तक काम करने के कारण शरीर में कठोरता और दर्द महसूस करते हैं, तो मकरासन एक आदर्श उपाय है।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाएं

त्योहारों के समय पाचन तंत्र में सूजन, कब्ज और अपच जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। मकरासन पेट की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर होता है। इसके अतिरिक्त, यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है और पेट संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

मकरासन कैसे करें?

मकरासन करने का तरीका काफी सरल है, लेकिन इसके लाभ प्राप्त करने के लिए इसे सही तरीके से करना आवश्यक है। नीचे दिए गए स्टेप्स के जरिए आप मकरासन आसानी से कर सकते हैं

चटाई पर पेट के बल लेट जाएं सबसे पहले एक सॉफ्ट चटाई पर पेट के बल लेट जाएं। पैरों को आपस में मिला लें अपने दोनों पैरों को एक साथ रखें और पैरों की उंगलियों को एक–दूसरे से जोड़ लें।अपनी कमर को पूरी तरह से सीधा रखें। अब धीरे–धीरे अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं, लेकिन ध्यान रखें कि आपका पेट और निचला शरीर जमीन से सटा रहे। अपने दोनों हाथों को चेहरे के पास लाकर एक साथ जोड़ लें। फिर अपने सिर को दोनों बाजुओं पर टिकाकर गहरी सांस लें और धीरे–धीरे सांस छोड़ें। योग करते समय अपनी सांसों को नियंत्रित करें और शरीर के अनुसार इस आसन का अभ्यास करें। अपने पैरों की उंगलियों की मदद से शरीर को संतुलित रखें। आजकल प्रदूषण और तनाव की वजह से सांस संबंधी समस्याओं में वृद्धि हो रही है। ऐसे में योगासन, विशेष रूप से मकरासन, शरीर और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। मकरासन के नियमित अभ्यास से आप न सिर्फ सांस लेने में सुधार कर सकते हैं, बल्कि मानसिक शांति और शरीर में लचीलापन भी बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, मकरासन पाचन तंत्र को बेहतर करने, तनाव को कम करने और शरीर के पोस्चर को सुधारने में भी मदद करता है। इसलिए, अगर आप प्रदूषण या अन्य सांस संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, तो मकरासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसके अद्भुत लाभों का अनुभव करें।

संक्षिप्त

बैंकिंग-रिलायंस के शेयरों में नरमी से सेंसेक्स 900 अंक फिसला, निवेशकों को 4 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी50 ने गुरुवार को यू-टर्न लिया और निचले स्तर पर खुले। बुधवार को रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में जीत के बाद सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए थे। निवेशक अब ब्याज दरों के रुझान का अनुमान लगाने के लिए फेडरल रिजर्व के आगामी दर निर्णय पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सुबह 10 बजकर 07 मिनट पर बीएसई सेंसेक्स 925 अंक या 1.15: की गिरावट के साथ 79,453.38 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50 288 अंक या 1.18: की गिरावट के साथ 24,196 पर पहुंच गया। बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.97 लाख करोड़ रुपये घटकर 448.61 लाख करोड़ रुपये रह गया।

बुधवार को निफ्टी और बीएसई सेंसेक्स दोनों में 1.1: की हुई वृद्धि

इससे पहले, बुधवार को निफ्टी और बीएसई सेंसेक्स दोनों में 1.1: की वृद्धि हुई, जो डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद छह सप्ताह से अधिक समय में सबसे बड़ी एकदिवसीय वृद्धि थी। अन्य एशियाई बाजारों में भी तेजी आई, जबकि तीनों प्रमुख वॉल स्ट्रीट सूचकांक रातोंरात रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बाजारों ने अमेरिकी चुनाव परिणामों की स्पष्टता पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की।

बजाज फिनसर्व और पावर ग्रिड के शेयर टूटे

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया और एमएंडएम गिरावट के साथ खुले, जबकि टाटा स्टील, टीसीएस, एचसीएल टेक और जेएसडब्ल्यू स्टील बढ़त के साथ खुले। टाटा स्टील ने सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में पिछले वर्ष की अवधि में दर्ज घाटे के मुकाबले 2: की छलांग लगाई।

अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 6: का उछाल

इस बीच, अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 6: की उछाल आई, जो अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कंपनी ने अपने अस्पताल व्यवसाय के नेतृत्व में फ2थ्त25 में शुद्ध लाभ में 63: की वृद्धि के साथ 379 करोड़ रुपये की रिपोर्ट की। सेक्टर के हिसाब से, निफ्टी मेटल में 1.3: की गिरावट आई, जिसका कारण हिंडाल्को, अदाणी एंटरप्राइजेज और वेदांता के शेयरों का टूटना रहा। निफ्टी बैंक, ऑटो, वित्तीय सेवाएँ, फार्मा और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी कटौती के साथ खुले।

यूएस फेड की बैठक पर बाजार की टिकी नजर

हालांकि चुनाव परिणाम कुछ सत्रों के लिए बाजार में तेजी ला सकते हैं, लेकिन विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू इक्विटी की भविष्य की दिशा अगली अमेरिकी सरकार के नीतिगत ढांचे और गुरुवार को फेडरल रिजर्व की टिप्पणी पर निर्भर करेगी। यूएस फेड ने अपनी पिछली बैठक में 50 आधार अंकों की दर में कटौती की थी और गुरुवार को दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है।

बंद पड़ी जेट एयरवेज की परिसंपत्तियों को बेचने का आदेश, कोर्ट ने एनसीएलएटी का फैसला किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बंद हो चुकी एयरलाइन जेट एयरवेज को जालान कलरॉक कंसोर्टियम को हस्तांतरित करने के एनसीएलएटी के फैसले को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखने वाले एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ एसबीआई और अन्य ऋणदाताओं की याचिका स्वीकार कर ली। सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए बंद पड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज की परिसंपत्तियों को बेचने का आदेश दिया।

रसोई पर गिरी महंगाई की गाज, सब्जियों के दाम बढ़ने से घर का खाना 20 फीसदी तक महंगा

नई दिल्ली। सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी से अक्तूबर, 2024 में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह का घर का बना खाना सालाना आधार पर 20 फीसदी तक महंगा हो गया। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, शाकाहारी थाली की कीमत एक साल पहले की समान अवधि से 20 फीसदी बढ़कर 33.3 रुपये प्रति प्लेट पहुंच गई है। सितंबर, 2024 में इसकी कीमत 31.3 रुपये थी। वहीं, मांसाहारी

थाली सालाना आधार पर 5.11 फीसदी महंगी होकर 61.6 रुपये प्रति प्लेट पहुंच गई। अक्तूबर, 2023 में इसकी कीमत 58.6 रुपये और सितंबर में 59.3 रुपये थी। 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज, आलू, टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी से घर का बना खाना महंगा हुआ है। हालांकि, ईंधन की लागत में सालाना आधार पर 11 फीसदी की गिरावट ने भोजन की लागत में तेजी को सीमित करने में मदद की। मांसाहारी थाली की लागत में 22 फीसदी हिस्सा सब्जियों की कीमतों का भी रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर में टमाटर की कीमतें एक साल पहले की समान अवधि के 29 रुपये से 120.68 फीसदी बढ़कर 64 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। बारिश के कारण टमाटर की आवक प्रभावित हुई है। प्याज की कीमतें सालाना आधार पर 46 फीसदी बढ़ी हैं। आलू की कीमतों में 51 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश से आपूर्ति शुरू होने के साथ नवंबर से टमाटर की कीमतें स्थिर होने की उम्मीद है।

पिछले सीजन पांच करोड़ से ज्यादा वेतन वाले इन खिलाड़ियों को लगेगा झटका, आधार मूल्य पर बिकने की नौबत

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी इस बार 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होगा। इसके लिए 1574 खिलाड़ियों को रजिस्टर किया गया है। इसमें 1165 भारतीय और 409 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। सूची में कुल 1,224 अनकैप्ड, 320 कैप्ड और एसोसिएट देशों के 30 क्रिकेटर हैं। सूची में 48 कैप्ड भारतीय भी शामिल हैं। इसमें से फ्रेंचाइजी उन खिलाड़ियों का चयन करेंगे, जिन्हें वह नीलामी में चाहते हैं। इसके बाद उस फाइनल लिस्ट को एक क्रम में सजाया जाएगा। इससे पहले 31 अक्तूबर को सभी 10 टीमों ने अपनी रिटेंशन लिस्ट जारी की थी। कुछ टीमों ने चौंकाने वाले फैसले भी लिए थे। इनमें ऋषभ पंत, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को उनकी फ्रेंचाइजी द्वारा रिलीज करना शामिल है। इस साल नीलामी के लिए सभी टीमों को पर्स में 120 करोड़ रुपये की राशि दी गई थी। रिटेंशन के मुताबिक, उनके पर्स से कुछ राशि कटी। फिलहाल पंजाब किंग्स के पर्स में सबसे ज्यादा रकम बाकी है। इस साल नीलामी में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी दिखेंगे, जिन्हें पिछले आईपीएल तक पांच करोड़ रुपये से ज्यादा का वेतन मिल रहा था। हालांकि, इस बार उन्हें बेस प्राइस पर टीमें खरीद सकती हैं। आइए ऐसे पांच खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं...

1. पृथ्वी शॉ

पृथ्वी शॉ पिछले साल दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से खेले थे। तब उनका वेतन आठ करोड़ रुपये था। पृथ्वी ओपनर हैं, लेकिन पिछला सीजन उनके लिए बेहद खराब रहा था। उन्होंने पावरप्ले में कुछ अच्छे शॉट्स जरूर खेले, लेकिन बड़ा स्कोर करने में कामयाब नहीं हो सके। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दिल्ली के लिए आठ मैच खेले और उन्होंने 24.75 की औसत और 163.64 के स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर 66 रन था और उन्होंने 30 चौके और पांच छक्के लगाए। इस साल उनका आधार मूल्य 75 लाख रुपये है।

2. मयंक अग्रवाल

मयंक अग्रवाल भी आईपीएल

2025 मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद ने रिलीज किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें पिछले साल मिनी ऑक्शन में 8.25 करोड़ में रिटेन किया था और आईपीएल 2024 में वह महज चार मैच ही खेले। चार मैचों में उन्होंने 16 की औसत और 112.2 के स्ट्राइक रेट से 64 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 32 रन का था। उन्होंने आठ चौके और एक छक्का लगाया। हैदराबाद ने अपने छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है और उनके पास राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं है। इस साल वह अपने बेस प्राइस में बिक सकते हैं।

3. उमेश यादव

अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को गुजरात टाइटंस ने 5.80 करोड़ रुपये में खरीदा था। यह आईपीएल नीलामी में किसी भारतीय तेज गेंदबाज को मिली सबसे बड़ी राशि थी। उन्होंने पिछले सत्र में आईपीएल 2022 की चौंपियन टीम के लिए केवल सात मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 26.25 की औसत से आठ विकेट चटकाए, जिसमें 10 की भारी इकॉनमी रेट शामिल है। 37 साल का यह खिलाड़ी भले ही टीमों की पहली पसंद नहीं हो, लेकिन फ्रेंचाइजी महाराष्ट्र में जन्में इस तेज गेंदबाज के अनुभव का इस्तेमाल करना चाहेगी और बेस प्राइस में खरीद सकती है।

4. देवदत्त पडिक्कल

देवदत्त पडिक्कल आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने 7.75 करोड़ में खरीदा था। वह एलएसजी के मध्य क्रम का हिस्सा थे। लखनऊ की टीम में वह कुछ खास नहीं कर पाए। कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने आईपीएल 2024 में सात मैच खेले और 38 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 5.43 का और स्ट्राइक रेट 71. 70 का रहा। उनका सर्वोच्च स्कोर सिर्फ 13 कन था और उन्होंने एलएसजी के लिए पिछले सीजन में तीन चौके लगाए थे।

5. जॉनी बेयरस्टो

जॉनी बेयरस्टो को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2024 से पहले 6.75 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2024 में नाबाद 108 रनों की शानदार पारी खेली थी और पंजाब को आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े चेज में मदद की थी, लेकिन यह बल्लेबाज फिलहाल खराब फॉर्म से जूझ रहा है। यही वजह है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम में भी शामिल नहीं किया गया। बेयरस्टो ने आईपीएल 2024 में पंजाब के लिए 11 मैच खेले और 152.82 के स्ट्राइक और 29.80 की औसत से 298 रन बनाए। उन्होंने 33 चौके और 14 छक्के लगाए। हालांकि, बेयरस्टो की क्षमता को दरकिनार नहीं किया जा सकता। वह अपने दम पर मैच जिताने का दमखम रखते हैं। ऐसे में टीमें उन्हें उनके बेस प्राइस पर खरीद सकती हैं।

अल्जारी जोसेफ बीच मैच में कप्तान से भिड़े, गुस्से में छोड़ा मैदान

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड तीसरे वनडे के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद नहीं थी। दरअसल, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की कप्तान शे होप से बीच मैदान में तू तू मैं मैं हो गई। जोसेफ कप्तान से इतना गुस्सा हो गए थे कि वह बीच मैच में मैदान छोड़कर बाहर चले गए। ये नजारा देख कर हर कोई हैरान था। बताया जा रहा है कि अल्जारी जोसेफ कप्तान शे होफ द्वारा सेट की गई फील्डिंग से नाखुश थे, जब उन्होंने कप्तान से इसे बदलने की बात कही तो उन्होंने इनकार कर दिया जिससे वह गुस्सा हो गए। ये घटना इंग्लैंड के पारी के चौथे ओवर की है। जोसेफ फील्डिंग पोजिशन से नाखुश थे, वह स्लिप के फील्डर को कुछ इशारा करते हुए नजर आए। कुछ देर तक ये ड्रामा चला, लेकिन शायद अल्जारी जोसेफ की बात नहीं सुनी गई। इसके बाद उन्होंने गुस्से में गेंदबाजी करना शुरू की। ओवर की चौथी गेंद उन्होंने बाउंसर डाली जिस पर इंग्लिश बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स आउट हो गए। जोसेफ का गुस्सा विकेट मिलने पर भी शांत नहीं हुआ। ना तो उन्होंने विकेट मिलने का जश्न मनाया और ना ही टीम के साथ इसकी खुशी मनाई। उस दौरान मैदान पर आए वेस्टइंडीज के एक्स्ट्रा खिलाड़ी ने जोसेफ को शांत कर उनका मुंह साफ करना चाहा, लेकिन गुस्से में गेंदबाज ने खिलाड़ी का हाथ हटा दिया। ओवर खत्म होने के बाद जोसेफ मैदान छोड़कर बाहर चले गए। ये नजारा देख डैरेन सैमी भी हैरान थे। एक ओवर तक वेस्टइंडीज के 10 ही खिलाड़ी मैदान पर फील्डिंग करते रहे। जैसे ही टीम सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी को फील्डिंग पर भेजने वाली थी वैसे ही जोसेफ वापस आ गए। जोसेफ को इसके तुरंत बाद गेंदबाजी नहीं दी गई। हालांकि, मैच खत्म होते-होते उन्होंने अपने कोटे के 10 ओवर पूरे किए।

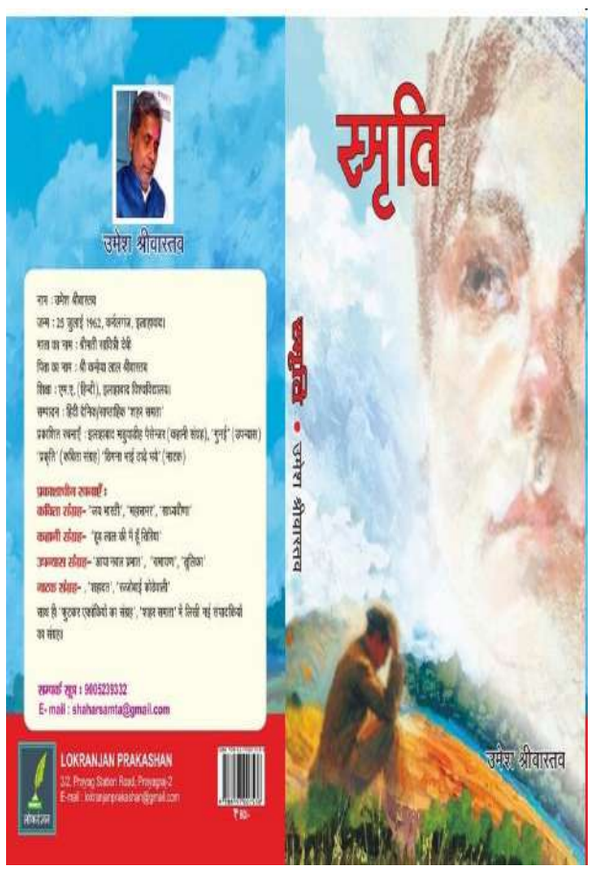

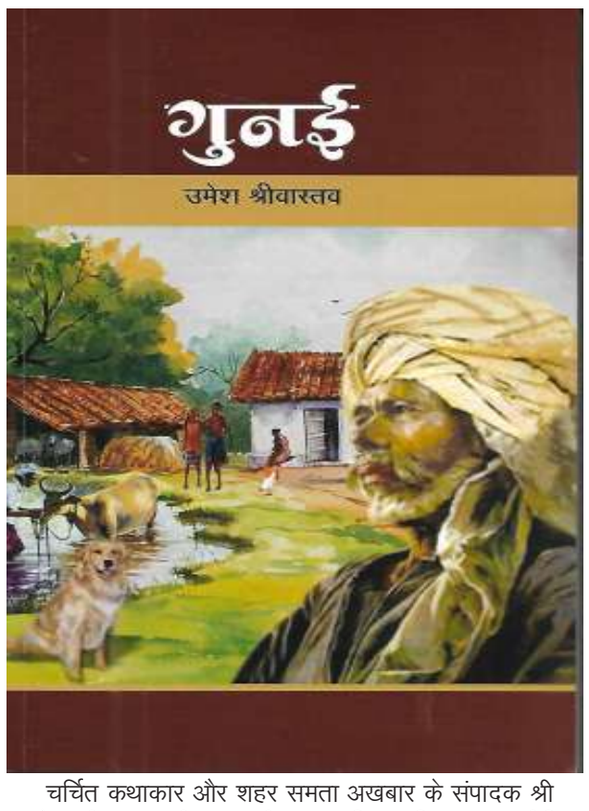

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

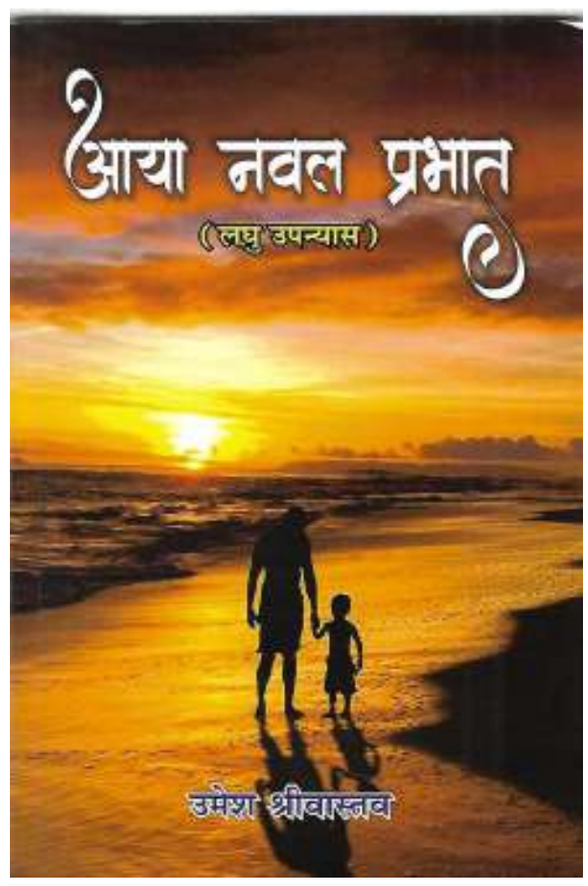

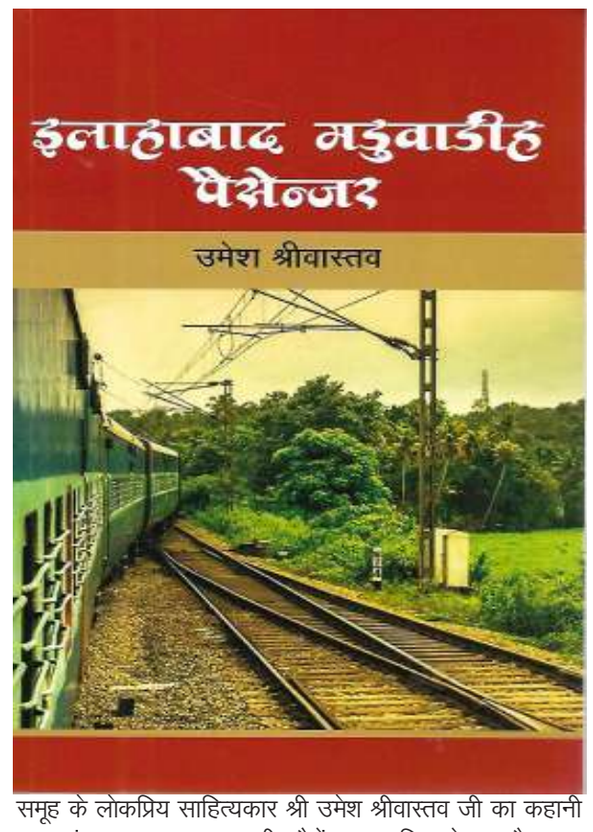

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

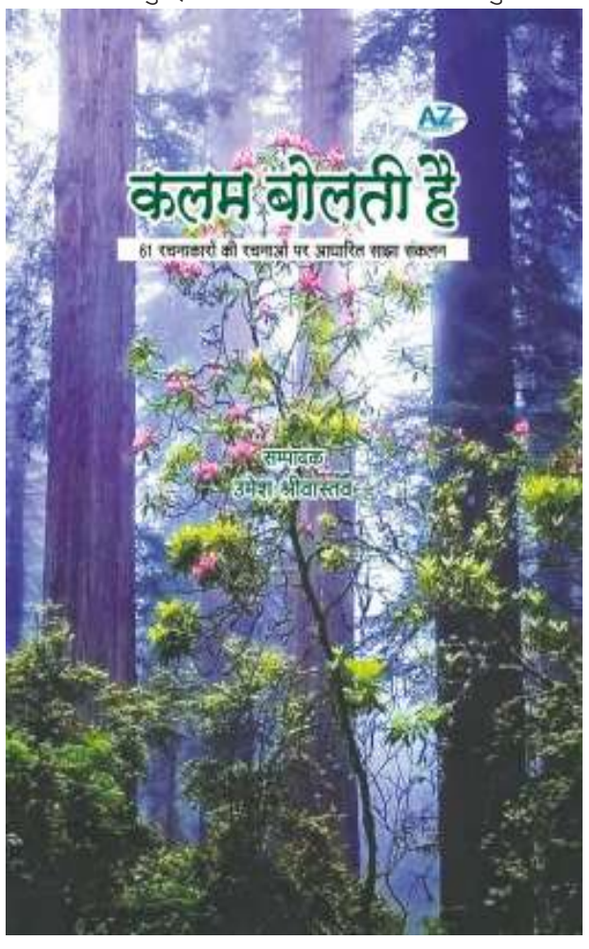

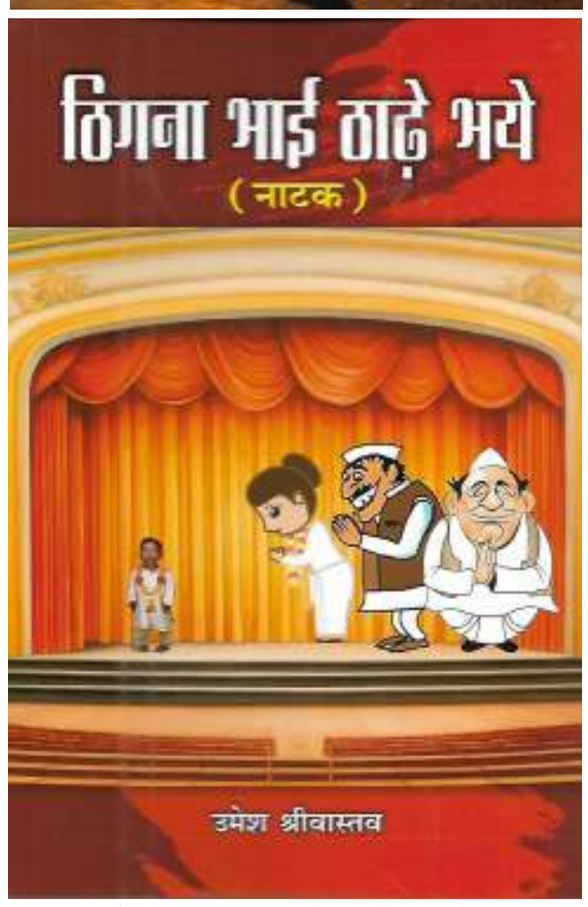

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

असाधारण परिस्थितियों में हैरिस ने आगे आकर ऐतिहासिक अभियान का नेतृत्व किया : बाइडन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सर्वोच्च पद के लिए हुए चुनाव के दौरान असाधारण परिस्थितियों में ऐतिहासिक अभियान का नेतृत्व करने के लिए बुधवार को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की सराहना की। बाइडन ने एक बयान में कहा, ''अमेरिका ने आज जिन्हें देखा वह, वो कमला हैरिस थीं जिन्हें मैं जानता हूं और जिनकी मैं बहुत प्रशंसा करता हूं। वह एक दमदार सहयोगी हैं, ईमानदार हैं, साहसी हैं तथा गुणवान लोक

सेवक रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''हैरिस ने राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में असाधारण परिस्थितियों में आगे आकर, एक ऐतिहासिक अभियान का नेतृत्व किया।'' बाइडन ने कहा, ''जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि जब मैं 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बना तो कमला को चुनना मेरा पहला फैसला था। यह मेरा सबसे अच्छा फैसला था। उनकी कहानी अमेरिका की सबसे अच्छी कहानी है। जैसा कि उन्होंने आज स्पष्ट किया, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह इस कहानी को जारी रखेंगी।'' बाइडन ने कहा, ''वह उद्देश्य, दृढ़ संकल्प और खुशी के साथ लड़ाई जारी रखेंगी। वह सभी अमेरिकियों के लिए विजेता बनी रहेंगी। इन सबसे बढ़कर, वह एक ऐसी नेता बनी रहेंगी, जिसे हमारे बच्चे आने वाली पीढ़ियों तक देखेंगे क्योंकि वह अमेरिका के स्वर्णिम भविष्य पर अपनी मुहर लगाती हैं।

सेनाओं के प्रमुखों को सेवा विस्तार देना लोकतंत्र का नरसंहार : इमरान खान

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को कहा कि थलसेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर समेत तीनों सेनाओं के प्रमुखों को दो साल का सेवा विस्तार देना "लोकतंत्र, कानून के शासन और लोगों के अधिकारों का नरसंहार है।" खान ने रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में मीडिया और अपने वकीलों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। खान के 'एक्स' खाते से की गयीएक पोस्ट में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान की

संसद ने सोमवार को थलसेना, वायु सेना और नौसेना प्रमुखों का कार्यकाल तीन से बढ़ाकर पांच साल करने वाला कानून पारित किया था। व्यापक रूप से माना जाता है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने पाकिस्तान के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति जनरल असीम मुनीर को ध्यान में रखते हुए यह कानून बनाया है, जो दो साल का विस्तार मिलने के बाद नवंबर 2027 तक पद पर बने रहेंगे। खान के 'एक्स' अकाउंट पर की गई पोस्ट में उनके हवाले से कहा गया है, "सेवा विस्तार लोकतंत्र, कानून के शासन और लोगों के अधिकारों का नरसंहार हैं।" उन्होंने कहा, पाकिस्तान के लोगों को इसका विरोध करना होगा। अन्यथा, हमारी आने वाली पीढ़ियां कीड़े–मकोड़ों की तरह जीने को मजबूर हो जाएंगी।

उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में चार सैनिकों की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर आतंकवादियों द्वारा किए गये हमले में चार सैनिकों की मौत हो गयी और पांच अन्य घायल हो गए। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकियों ने मंगलवार देर रात दक्षिण वजीरिस्तान के सरवाकाई इलाके में

एक चौकी पर घात लगाकर हमला किया। सूत्रों ने बताया कि हमले में चार सैनिक मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए।

डोनाल्ड ट्रंप ने मिशिगन प्रांत में जीत हासिल की

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने 'स्विंग स्टेट' मिशिगन में भी बुधवार को जीत हासिल की। 'स्विंग स्टेट' वे प्रांत होते हैं, जिनकी निष्ठा न तो रिपब्लिकन और न ही डेमोक्रेट के प्रति होती है। देश में साल 2020 में हुए चुनाव में बाइडन ने मिशिगन में जीत हासिल की थी जबकि इस बार ट्रंप बाजी मार गए। ट्रंप ने 2016 में मिशिगन में लगभग 10,000 मतों से जीत हासिल की थी। यह लगभग तीन दशकों में पहली बार था जब राष्ट्रपति पद के लिएरिपब्लिकन पार्टी के किसी उम्मीदवार ने मिशिगन में जीत हासिल की थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

बिगड़ते जा रहे भारत–कनाडा रिश्ते; भारतीय दूतावास ने रद्द किए कुछ शिविर, सुरक्षा न मिलने से उठाया कदम

भारत और कनाडा के बीच के रिश्ते दिन पर दिन बिगड़ते जा रहे हैं। इसी क्रम में टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने अपने कुछ निर्धारित वाणिज्य दूतावास शिविरों को रद्द कर दिया है। इसके पीछे की वजह कनाडा की ओर से पर्याप्त सुरक्षा न मुहैया कराया जाना बताई गई है। भारतीय दूतावास के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने सामुदायिक शिविर आयोजकों को न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करने में अपनी असमर्थता जताई है। इस वजह से हमें अपने कार्यक्रम रद्द करने पड़े हैं। यह कदम ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर और भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक वाणिज्य दूतावास कार्यक्रम में खालिस्तानी झंडे लेकर पहुंचे प्रदर्शनकारियों के हमले की घटना के कुछ दिनों बाद उठाया गया। तीन नवंबर को ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में विरोध प्रदर्शन हुआ और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारियों को खालिस्तान के समर्थन में बैनर थामे देखा जा सकता है। प्रदर्शनकारियों ने लोगों के साथ मारपीट की और वाणिज्य दूतावास के कार्यक्रम को बाधित किया।

यहां से और बिगड़ने लगे हालात

दरअसल, भारत और कनाडा के बीच उस वक्त और तल्खी आ गई, जब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सरकार के एक मंत्री ने दावा किया कि कनाडा में सिख अलगाववादियों पर एक्शन का आदेश अमित शाह की ओर से दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के विदेश उप–मंत्री डेविड मॉरिसन ने एक संसदीय पैनल में यह बयान दिया था।

बिना किसी सबूत के दावा करने की बात स्वीकारी

हालांकि, बाद में मॉरिसन ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने ही बिना किसी सबूत के वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार को शाह के नाम की जानकारी लीक की थी। इस अखबार ने लिखा था कि अमित शाह ने कनाडा में सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर हिंसा, धमकी और खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान चलाने का आदेश दिया।

भारत ने जताया था विरोध

अमित शाह के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। मामले में सख्त रुख अपनाते हुए भारत ने कनाडाई अधिकारी को तलब किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि हमने कल कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया। भारत सरकार कनाडा सरकार में मंत्री डेविड मॉरिसन की ओर से समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार आरोपों का सबसे कड़े शब्दों में विरोध करती है।

हार के बाद कमला हैरिस ने ऐसा क्या कहा, रो पड़े समर्थक

अमेरिकी चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। डेमोक्रेट प्रत्याशी कमला हैरिस को रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के हाथों शिकस्त मिल गई है। चुनाव हारने के बाद हावर्ड यूनिवर्सिटी में अपने संबोधन के लिए जब कमला हैरिस आई तो उनका अंदाज वही था। चेहरे पर भी वही भाव रखने की कोशिश की गई। लेकिन करारी हार के बाद चेहरे पर मुस्कान बनाए रखने में कमला हैरिस को खासी मशक्त करनी पड़ रही थी। हावर्ड यूनिवर्सिटी में बड़ी तादाद में डेमोक्रेट समर्थक कमला हैरिस को सुनने आए थे। कईयों के चेहरे पर मायूसी थी। कमला हैरिस ने भी कहा कि मेरा दिल भरा हुआ है। जो भरोसा आपने मुझपर किया, उसके आभार से मेरा दिल भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव का नतीजा वह नहीं है जो हम चाहते थे, न ही वह हैजिसके लिए हमने लड़ाई लड़ी थी और न ही वह है जिसके लिए हमने वोट दिया था। लेकिन मैं आपसे कहती हूं कि अमेरिका के वादे की लौ हमेशा जगमगाती रहेगी। कमला हैरिस ने कहा कि मैं चुनाव के नतीजों को स्वीकार करती हूं, लेकिन मैं उस लड़ाई से पीछे नहीं हटूंगी जो हमारे अभियान का मूल थी। मैं आपसे कहती हूं कि अमेरिका के वादे की लौ हमेशा जगमगाती रहेगी। उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि लोग इस समय कई तरह की भावनाएं महसूस कर रहे हैं। मैं समझती हूं। लेकिन हमें चुनाव के नतीजों को स्वीकार करना चाहिए। हैरिस ने अपने समर्थकों से देश के मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने का आह्वान किया। हैरिस ने साथ ही कहा कि बेहद शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण होगा। कमला हैरिस के भाषण में देश के उन नेताओं को सीख है जो गरिमापूर्ण तरीके से हार स्वीकार करने से कतरा जाते हैं और आरोप प्रत्यारोप करने में लग जाते हैं। अगले साल 20 जनवरी को ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह होना है। यानी नतीजे से 20 जनवरी तक 77 दिन की अवधि को संक्रमण काल यानी की ट्रांजिशन पीरियड कहा जाता है। जिस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति शपथ लेते हैं उस दिन को इनोग्रेशन डे कहते हैं। 20 जनवरी 1937 से यही परंपरा चली आ रही है। ट्रंप की बात करें तो जो बाइडेन के न्यौते पर ट्रंप जल्द ही व्हाइट हाउस आएंगे। ट्रंप को बाइडेन सत्ता हस्तांतरण से जुड़ी जानकारी देंगे। बाइडेन और ट्रंप की मुलाकात की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने नाचते हुए लिया हिंदुओं पर बड़ा फैसला, झूम उठेगा भारत!

रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने जीत के बाद दिए अपने पहले भाषण में साफ तौर पर ऐलान कर दिया है कि अब दुनिया में कोई युद्ध नहीं होगा। ट्रंप ने कहा कि मैं युद्ध रोकने जा रहा हूं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने एक और ऐसी बात कही जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया को अमेरिका के उपराष्ट्रपति से भी मिलवाया है। अमेरिका में जेडी वेंस उपराष्ट्रपति बन गए हैं। जेडी वेंस का भारत के साथ जबरदस्त कनेक्शन है। कई लोग तो प्यार से जेडी वेंस को भारत का दामाद भी कहते हैं। जेडी वेंस ने भारतीय मूल की एक हिंदू महिला से शादी की है। आपको बता दें कि जेडी वेंस ने भारतीय मूल की वकील ऊषा चिलुकुरी वेंस से शादी की है। येल में सहपाठी उषा ने वेंस को यूएस ग्रुप डिस्कशन आयोजित करने में मदद की। इस दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी और एक दूसरे को डेट करने लग गए। कई सालों तक डेट करने के बाद इस कपल ने साल 2014 में शादी करने का फैसला कर लिया। बताया जाता है कि एक हिंदू पंडित ने शादी को संपन्न कराया था। जेडी उषा के तीन बच्चे इवान, विवेक और मीरा हैं। जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मुश्किल समय में मेरी पत्नी का हिंदू धर्म कई बार फैसले लेते वक्त मेरे काम आया है। जेडी वेंस भारत के प्रति भी अच्छी राय रखते हैं। लेकिन इस्लाम पर वो कई बार विवादित बयान दे चुके हैं। जेडी वेंस ने एक बार कहा था कि ब्रिटेन एक दिन इस्लामिक राष्ट्र बन जाएगा। जेडी वेंस ये भी बोल चुके हैं कि

पश्चिमी देशों में जैसे मुस्लिम शरणार्थी बढ़ रहे हैं वो बेहद ही चिंताजनक हैं। जेडी वेंस ठीक डोनाल्ड ट्रंप की तरह ही बातें करते हैं। ऊषा पहली हिंदू महिला होंगी जो कि किसी उपराष्ट्रपति की पत्नी हैं। वह 'सेंकड जेंटलमेंट' (उपराष्ट्रपति के पति) डग एमहॉफ का स्थान लेंगी। देश में एमहॉफ पहले ऐसे यहूदी हैं जो कि किसी उपराष्ट्रपति के जीवनसाथी हैं।

जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प से पीएम मोदी ने की फोन पर बात, कहा–शांति के लिए साथ करेंगे काम

अमेरिका में चुनाव के बाद डोनाल्ड ट्रम्प विजेता बन चुके है। इस जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रम्प से फोन पर बातचीत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 नवंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर फिर से निर्वाचित रिपब्लिकन पार्टी की बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी कि ट्रम्प की शानदार और और दूरदर्शिता में अमेरिकी दर्शाती है। गौरतलब है कि कार्यकाल के दौरान सकारात्मक गति को ने उनके यादगार संवादों सितंबर 2019 में ह्यूस्टन में फरवरी 2020 में राष्ट्रपति अहमदाबाद में नमस्ते ट्रम्प नेताओं ने दोनों देशों के लोगों

होने और कांग्रेस चुनावों में सफलता के लिए हार्दिक ने इस बात पर प्रकाश डाला शानदार जीत उनके नेतृत्व लोगों के गहरे भरोसे को राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले भारत–अमेरिका साझेदारी की प्रतिबिंबित करते हुए, पीएम को याद किया, जिसमें हाउडी मोदी कार्यक्रम और ट्रम्प की भारत यात्रा के दौरान कार्यक्रम शामिल हैं। दोनों के लाभ के साथ–साथ वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भारत–अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के महत्व को दोहराया। उन्होंने प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और कई अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बातचीत का ब्योरा भी साझा किया।

अमेरिका में सीआईए चीफ बनने की रेस में भारतवंशी कश्यप पटेल सबसे आगे

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब देश के नए राष्ट्रपति होंगे। उन्होंने चुनाव में अपनी डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी और मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हरा दिया है। एक बार फिर चार साल के अंतराल के बाद व्हाइट हाउस में प्रवेश करने को तैयार हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप और उनकी टीम आने वाले हफ्तों में अपने नए मंत्रिमंडल और प्रशासन के अन्य उच्च अधिकारियों को चुनने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। इनमें कश्यप श्काशश पटेल का नाम खासा चर्चा में है।

इस पद के लिए चर्चाओं में काश

कई रिपोर्ट में ऐसा बताया जा रहा है कि ट्रंप कश्यप पटेल को अमेरिका में सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी यानी सीआईए के चीफ की जिम्मेदारी दे सकते हैं। वह इस पद पर नियुक्त होने के लिए शीर्ष दावेदार बताए जा रहे हैं। कई ट्रंप सहयोगियों ने सीआईए प्रमुख के रूप में नियुक्ति के लिए पटेल का नाम आगे रखा है।

आइए जानते हैं कि आखिर कौन हैं डोनाल्ड ट्रंप के विश्वस्त और नजदीकी भारतवंशी कश्यप पटेल–

भारतीय मूल के पटेल ट्रंप के वफादार हैं। उनका जन्म 1980 में न्यूयॉर्क के गार्डन सिटी में गुजराती भारतीय माता–पिता के घर में हुआ था, जो पूर्वी अफ्रीका से कनाडा के रास्ते संयुक्त राज्य अमेरिका में आकर बसे थे। पटेल के पिता एक विमानन फर्म में वित्तीय अधिकारी के रूप में काम करते थे।

उन्होंने कानून की डिग्री हासिल करने के लिए न्यूयॉर्क लौटने से पहले रिचमंड विश्वविद्यालय में अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की। साथ ही उन्होंने ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के विधि संकाय से अंतरराष्ट्रीय कानून में प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया। कश्यप काश पटेल को जब एक प्रतिष्ठित लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो वह एक पब्लिक डिफेंडर बन गए और न्याय विभाग में शामिल होने से पहले मियामी में स्थानीय और संघीय अदालतों में लगभग नौ साल बिताए। 44 वर्षीय पटेल ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में ट्रंप के आतंकवाद विरोधी सलाहकार और उनके पिछले कार्यकाल के दौरान कार्यवाहक रक्षा सचिव के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में काम किया। उन्हें बचाव पक्ष के वकील, संघीय अभियोजक, शीर्ष सदन के कर्मचारी और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के रूप में भी अनुभव है। उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कई शीर्ष प्राथमिकताओं को अंजाम दिया था, जिसमें आईएसआईएस और अल–कायदा के अल–बगदादी तथा कासिम अल–रिमी जैसे नेताओं का सफाया और कई अमेरिकी बंधकों को वापस लाना शामिल था।

ट्रंप के परम वफादार माने जाने वाले पटेल को उनके कार्यकाल के दौरान पूर्व राष्ट्रपति के लिए नियुक्त सलाहकारों के समूह में शीर्ष कुर्सी दी गई थी, जब वे यूक्रेन युद्ध के संबंध में प्रतिक्रिया के मुद्दों का सामना कर रहे थे। एक पब्लिक डिफेंडर के रूप में अपना करियर शुरू करने के बाद उन्होंने कई जटिल मामलों को सुलझाने की कोशिश की, जिनमें राज्य और संघीय अदालतों में हत्या, नार्को–तस्करी और वित्तीय अपराधों से संबंधित मामले शामिल हैं। अटलांटिक की रिपोर्ट में पटेल को श्ट्रंप के लिए कुछ भी करने वालाश शख्स बताया गया है, जो हाल ही में संपन्न चुनावों में उल्लेखनीय जीत हासिल करने के बाद अब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पटेल 2019 में 40 वर्षीय वकील के रूप में तत्कालीन ट्रंप प्रशासन में शामिल हुए और तेजी से शीर्ष पदों की ओर बढ़ने लगे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।